E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष-12 अंक-19 | प्रयागराज, मंगलवार, 24 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

युद्ध के बीच तेल-गैस से ईरान की रिकॉर्ड कमाई

तेहरान। अमेरिका-इजराइल के साथ जंग को ईरान ने एक मौके में बदल दिया है। अमेरिका ने खार्ग आइलैंड के पास सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन ग्लोबल ऑयल संकट के डर से तेल टर्मिनल को सीधे निशाना नहीं बनाया। इसी का फायदा उठाते हुए ईरान ने खार्ग टर्मिनल चालू रखा और 'घोस्ट फ्लीट' के जरिए चीन को सप्लाई जारी रखी है। इंटरनेशनलएनर्जी एजेंसी और एस एंड पी ग्लोबल के मुताबिक, ईरान रोजाना 1.7 से 2 मिलियन (17 से 20 लाख) बैरल तेल एक्सपोर्ट कर रहा है। देश के करीब 90फीसदी तेल का एक्सपोर्ट अभी भी खार्ग टर्मिनल से हो रहा है। साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले से एक्सपोर्ट प्रभावित हुआ, लेकिन गैस सप्लाई पूरी तरह बंद नहीं हुई। रिपोर्ट है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले विदेशी जहाजों से ईरान करीब 16.5 करोड़ रुपए प्रति जहाज 'वॉर टैक्स' भी वसूल रहा है। ईरान की होर्मुज स्ट्रेट पर पकड़ और लगातार हमलों के कारण सऊदी अरब, कतर, इराक, कुवैत और यूएई जैसे खाड़ी देशों की सप्लाई प्रभावित हुई है। सुरक्षित समुद्री रास्तों की कमी, बढ़ते हमले और लॉजिस्टिक्स दिक्कतों के चलते इन देशों का कुल उत्पादन 70फीसदी तक गिर गया है। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का सबसे सीधा असर कच्चे तेल पर पड़ा है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 3.26फीसदी की उछाल के साथ 112.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो जुलाई 2022 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है।

अगर तेल की कीमतें 100 डॉलर के ऊपर बनी रहती हैं, तो इससे भारत में महंगाई बढ़ेगी जो बाजार के लिए अच्छा नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट बंद करने से इन पांच देशों की सप्लाई पर असर-सऊदी अरब- दुनिया का सबसे बड़ा तेल एक्सपोर्टर सऊदी अरब प्रोडक्शन बनाए रखने में संघर्ष कर रहा है। तेल का प्रोडक्शन 1 करोड़ बैरल/दिन से घटकर 80 लाख बैरल/दिन रह गया है।ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए यनबू तक तेल पहुंचाया जा रहा है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से स्टोरेज टैंक भर गए हैं, जिससे अरामको को कई कुएं अस्थायी रूप से बंद करने पड़े। कतर- कतर दुनिया की 20फीसदी एलएनजी जरूरतें पूरी करता है। अब कतर की रास लफान गैस फैसिलिटी पर हमलों के बाद 'फोर्स मेज्योर' लागू किया गया है, यानी सप्लाई की गारंटी नहीं है। देश की एलएनजी एक्सपर्ट क्षमता 17फीसदी घट गई है और टैंकर बंदरगाहों पर खड़े हैं, जिससे वैश्विक कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। इराक-इराक में बीपी,ईएनआई और टोटल जैसी विदेशी कंपनियों ने स्टाफ वापस बुला लिया है। होर्मुज के रास्ते बंद होने से प्रोडक्शन 43 लाख से गिरकर 13 लाख बैरल/दिन रह गया है। करीब 70फीसदी गिरावट आई है। वैकल्पिक पाइपलाइन नहीं होने से स्टोरेज भर गए। स्टोरेज भरने के कारण 'वेस्ट कुरना' और 'मजनून' जैसे बड़े फील्डों में काम रोकना पड़ा। कुवैतः कुवैत पूरी तरह होर्मुज पर निर्भर है। नाकेबंदी और 'वॉर टैक्स' के कारण निर्यात लगभग ठप हो गया है। प्रति जहाज 16.5 करोड़ वसूली और इंश्योरेंस संकट से निर्यात लगभग जीरो पर पहुंच गया। कुओं में दबाव बढ़ने से 50फीसदी उत्पादन बंद करना पड़ा। बंदरगाहों पर टैंकर खड़े हैं, पर आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं। यूएई-अबू धाबी-फुजैराह पाइपलाइन फुल कैपिसिटी से चल रही है, लेकिन कुल डिमांड काफी ज्यादा है। बाकी तेल होर्मुज में फंसा है। ईरानी हमलों के कारण जहाजों का बीमा प्रीमियम 400फीसदी तक बढ़ गया है, जिससे व्यापार महंगा हो गया है और फुजैराह पोर्ट पर गतिविधि कम हुई है। अमेरिका की ईरानी तेल खरीद पर 30 दिन की छूट-ग्लोबल ऑयल और एनर्जी मार्केट में बढ़ती महंगाई से अमेरिका भी परेशान है। महंगाई काबू करने के लिए उसने 20 मार्च को ईरानी तेल की खरीद पर प्रतिबंधों में 30 दिन की छूट दी है। ये छूट सिर्फ समुद्र में मौजूद ईरानी तेल के टैंकरों की खरीद के लिए है। अमेरिकी ट्रेजरी मिनिस्टर स्कॉट बेसेंट ने इसकी घोषणा की थी। ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट के मुताबिक यह छूट 20 मार्च से 19 अप्रैल के लिए है। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि दुनिया के लिए इस मौजूदा सप्लाई को अस्थायी रूप से खोलकर ग्लोबल मार्केट में लगभग 14 करोड़ बैरल तेल तेजी से आएगा। इससे दुनियाभर में ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ेगी और सप्लाई पर जो अस्थायी दबाव बना है, उसे कम करने में मदद मिलेगी।

'दोस्त श्रीलंका को देंगे तेल, नहीं आने देंगे दिक्कत', ईरान ने खोला दिल

कोलंबो। ईरान ने श्रीलंका को ऊर्जा संकट से निपटने में मदद का भरोसा दिलाया है। श्रीलंका में ईरान के राजदूत ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने में श्रीलंका के जहाजों को कोई दिक्कत नहीं आएगी। उन्होंने साफ किया कि श्रीलंका मित्र देश है और ईरान ने अपने दोस्तों के लिए होर्मुज बंद नहीं किया है। उन्होंने होर्मुज खोलने के अलावा तेल की सप्लाई की बात श्रीलंका को कही है। उन्होंने ऐसे समय ये भरोसा दिया है, जब ईरान युद्ध के चलते होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री व्यापार प्रभावित है और एशिया का बड़ा हिस्सा ऊर्जा संकट में दिख रहा है। ईरान की ओर से यह बयान ऐसे समय आया है, जब इजरायल-अमेरिका के साथ चल रहे उसके युद्ध में कई मौकों पर श्रीलंका उसके साथ दिखा है। श्रीलंका ने अमेरिकी हमले के बाद ईरानी जहाज डेना से नाविकों को बचाकर उनको शरण दी। श्रीलंका ने अमेरिका की नाराजगी लेते हुए उसकी सेना को अपनी जमीन का इस्तेमाल करने देने से भी इनकार किया है।कोलंबो में ईरानी राजदूत डॉक्टर अलीरेजा देलकोश ने श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय संबंधों के प्रति ईरान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया है।

न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर प्लेन-ट्रक की टक्कर, दोनों पायलट की मौत,72 यात्री सवार थे

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर स्टॉप-स्टॉप चिल्लाता रहा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में ला गार्डिया एयरपोर्ट पर रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) एयर कनाडा एक्सप्रेस का एक विमान लैंडिंग के समय रनवे पर फायर ट्रक से टकरा गया। इससे विमान का अगला हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया। हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत हो गई, जबकि ट्रक में सवार दो लोग घायल हुए हैं। जैज एविएशन के मुताबिक, यह फ्लाइट मॉन्ट्रियल से आ रही थी। सीआरजे-900 विमान में कुल 72 यात्री और 4 क्रू मेंबर सवार थे। टक्कर के तुरंत बाद रनवे 4 को बंद कर दिया गया। एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लागू करते हुए सभी फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए और आने वाली उड़ानों को डायवर्ट किया गया। हादसे से पहले

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान और ग्राउंड वाहन दोनों को रुकने के लिए कहा था और स्टॉप-स्टॉप चिल्लाता रहा, लेकिन फिर भी टक्कर हो गई। लैंडिंग से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान को रोकने की कोशिश की थी। वायरल ऑडियो में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने पहले ट्रक को रनवे पार करने की अनुमति दी थी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद कंट्रोलर लगातार 'स्टॉप, स्टॉप, ट्रक 1' चिल्लाता रहा। हालांकि, कुछ ही सेकंड में टक्कर हो गई। कंट्रोलर की आवाज रिकॉर्डिंग में सुनाई देती है- 'JAZZ 646, आप वाहन से टकरा गए हैं, वहीं रुके रहें, मदद पहुंच रही है।' फ्लाइट लैंडिंग के बाद रनवे पर करीब 130 मील प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रही थी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विमान के आगे के हिस्से में नुकसान और कॉकपिट उठा हुआ दिखाई दे रहा है।फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने एयरक्राफ्ट इमरजेंसी घोषित करते हुए तुरंत ग्राउंड स्टॉप लगा दिया। एयरपोर्ट को सोमवार दोपहर 2 बजे तक बंद रखने की बात कही गई है। एयरपोर्ट पर आने वाले विमानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया था या उन्हें वापस भेज दिया गया। हादसे में शामिल विमान सीआरजे-900 था, जिसे जैज एविएशन ऑपरेट करता है। इसमें करीब 76 यात्रियों की क्षमता होती है। फ्लाइट रात करीब 10:30 बजे मॉन्ट्रियल से रवाना हुई थी और लगभग एक घंटे बाद ला गार्डिया पहुंची।घटना के बाद रनवे पर बड़ी संख्या में इमरजेंसी वाहन पहुंच गए। रात 2 बजे तक रनवे पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था। हादसे से पहले एयरपोर्ट ने हल्की बारिश और कोहरे के कारण फ्लाइट डिसरप्शन की चेतावनी दी थी।फिलहाल जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि रनवे पर वाहन कैसे पहुंचा और टक्कर कैसे हुई।

फरीदाबाद में पाकिस्तानी जासूस अरेस्ट,पंचर की दुकान में बैठ सैनिकों के फोटोज भेजता,हर फोटो पर मिलते थे रु6 हजार

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले गैंग के मेंबर

नौशाद अली उर्फ लालू को गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नौशाद पेट्रोल पंप पर तीन महीने से पंचर बनाने की दुकान चला रहा था। नौशाद रेलवे स्टेशन, सुरक्षा बलों के फोटो वीडियो बनाता था और उसे व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए पाकिस्तान भेजने का काम करता था। इसके लिए एक फोटो पर उसे 4 से 6 हजार रुपए मिलते थे। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि अभी तक इसमें गैंग के सरगना मेरठ के सुहेल सहित 22 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने नौशाद के अलावा औरंगाबाद की मीरा को अरेस्ट किया है। एक आरोपी नाबालिग है। तीनों ने बताया कि सुहेल ने ही हमें ग्रुप में जोड़ा था। गाजियाबाद पुलिस की जांच में पता चला कि ये लोग रेलवे स्टेशन और सुरक्षा बलों के ठिकानों की फोटो और वीडियो बनाकर कुछ लोगों को भेजते थे और इसके बदले उन्हें पैसे मिलते थे। इस गैंग का देशभर में करीब 50 सोलर कैमरे लगाने का प?लान था। दिल्ली-हरियाणा के रेलवे स्टेशनों पर कैमरे लगा भी दिए थे। पुलिस ने दोनों स्थानों के कैमरे रिकवर करते हुए जांच शुरू कर दी है। इन कैमरों को फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा। दिल्ली और सोनीपत में लगाए गए कैमरों का एक्सेस पाकिस्तान में था। यानी इनके सीधी वीडियो पाकिस्तान में देखी जा रहीं थी। रिमांड पर सुहेल और अन्य सभी आरोपियों ने बताया कि हम लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग पाकिस्तान में बैठे लोगों को भेजते थे। हर कैमरे की इंस्टॉलेशन पर 10 हजार रुपये से लेकर 15 हजार रुपये मिलते थे।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

प्रेग्नेंसी में वर्क फ्रॉम होम नहीं दिया, रु200 करोड़ जुर्माना,डिलीवरी के बाद बच्चे की मौत हुई

अमेरिकी कोर्ट ने कहा- कंपनी जिम्मेदार

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के ओहायो में प्रेग्नेंट महिला को वर्क फ्रॉम होम की अनुमति न देने के

मामले में कोर्ट ने कंपनी पर 2.25 करोड़ डॉलर (रु200 करोड़) का जुर्माना लगाया है। महिला को ऑफिस आने की मजबूरी की वजह से समय से पहले डिलीवरी हुई थी। जिससे नवजात की कुछ घंटों में ही मौत हो गई थी। कोर्ट ने माना कि अगर महिला को घर से काम करने दिया जाता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। इसी आधार पर कंपनी पर यह जुर्माना लगाया गया। चेल्सी वॉल्श नाम की महिला टोटल क्वालिटी लॉजिस्टिक्स अमेरिकी कंपनी में काम करती थीं। फरवरी 2021 में उन्होंने वर्क फ्रॉम होम की इजाजत मांगी थी। कंपनी ने उन्हें ऑफिस आकर काम करने या बिना सैलरी छुट्टी लेने का ऑप्शन दिया, जिससे उनकी इनकम और हेल्थ इंश्योरेंस पर असर पड़ता। मजबूरी में उन्हें 22 फरवरी से ऑफिस जाकर काम करना पड़ा। लगातार तीन दिन काम करने के बाद 24 फरवरी को उन्हें समय से पहले डिलीवरी हो गई। महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ ही घंटों बाद उसकी मौत हो गई।महिला की प्रेग्नेंसी हाई-रिस्क थी और डॉक्टर ने उन्हें घर पर आराम करने और वर्क फ्रॉम होम करने की सलाह दी थी, लेकिन ऑफिस में काम करने की वजह से बच्ची का जन्म तय समय से करीब 18 हफ्ते पहले हुआ था। जन्म के समय वह सांस ले रही थी और उसका दिल धड़क रहा था, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिवार ने कंपनी के खिलाफ केस किया। उनका कहना था कि वर्क फ्रॉम होम की इजाजत मिलती, तो महिला को आराम मिलता और यह हादसा टल सकता था। मामला हैमिल्टन काउंटी की अदालत में चला, जहां जूरी ने कंपनी को दोषी माना। जहां कंपनी की जिम्मेदार मानते हुए 2.25 करोड़ डॉलर देने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने इसे एक दुखद घटना बताते हुए कहा कि कंपनी को कर्मचारी की स्थिति को समझना चाहिए था।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

ट्रम्प बोले-ईरानी पावर प्लांट्स पर 5 दिन हमला नहीं करेंगे,बातचीत के बाद फैसला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के पावर प्लांट्स और एनर्जी

इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले हमलों को फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों से चली बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया है।उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर सभी सैन्य हमलों को 5 दिनों के लिए रोक दिया जाए। ट्रम्प ने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव को खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा सकता है। दरअसल ट्रम्प ने दो दिन पहले ईरान को धमकी दी थी कि अगर 48 घंटे में होर्मुज रूट नहीं खोला गया तो वो ईरान के पावर प्लांट पर बड़ा हमला करेंगे। वहीं, ईरान ने दावा किया है कि ट्रम्प के साथ उनकी कोई बातचीत नहीं हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ट्रम्प एनर्जी की कीमतें कम करने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। मंत्रालय ने आगे कहा, 'कई देश तनाव कम करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारा साफ कहना है कि हमने यह युद्ध शुरू नहीं किया। इसलिए इस बारे में बात अमेरिका से की जानी चाहिए'ट्रम्प ने कहा है कि ईरान समझौता करने के लिए उतावला है। दोनों देशों के बीच डील अगले 5 दिनों में या उससे भी पहले हो सकती है। फॉक्स बिजनेस नेटवर्क को दिए बयान में ट्रम्प ने कहा कि हालात तेजी से बदल रहे हैं और बातचीत आगे बढ़ रही है। ट्रम्प से पूछा गया कि ईरानी मीडिया के बयान पर आपका क्या रिएक्शन हैष्ठ मीडिया कह रही है कि कोई बातचीत नहीं हुई है। इस पर ट्रम्प ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वे क्या कह रहे हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच कल रात ही बात हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर भी इस बातचीत में शामिल थे। ट्रम्प ने कहा कि वहां से कोई जानकारी इतनी जल्दी मिलना मुश्किल है क्योंकि अमेरिका ने उनके ज्यादातर इंफ्रास्टक्चर को तबाह कर दिया है। इसलिए वह ईरानी मीडिया पर भरोसा नहीं कर सकते।

14किग्रा के सिलेंडर में 10किग्रा घरेलू गैस देने की तैयारी

नयी दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियां अब घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी गैस सिलेंडर में 10 किलो गैस भरकर देने की तैयारी कर रही है। इसका मकसद लिमिटेड स्टॉक को ज्यादा से ज्यादा परिवारों तक पहुंचाना है। इसके साथ ही सिलेंडर के दाम भी कम किए जा सकते हैं। तेल कंपनियों के पास अब ज्यादा रास्ते नहीं बचे हैं, क्योंकि खाड़ी देशों (मिडिल-ईस्ट) से गैस की नई खेप भारत नहीं आ पा रही है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रही जंग के कारण हालात बिगड़ गए हैं। हाल ही में ईरान ने वहां के एनर्जी प्लांट्स पर मिसाइल हमले किए, जिससे गैस उत्पादन को नुकसान हुआ है। इसके अलावा, होर्मुज रूट भी बंद है, जहां से गैस के जहाज भारत आते हैं। इससे आने वाले दिनों में भारत में एलपीजी की किल्लत और ज्यादा बढ़ सकती है। इसी संकट को देखते हुए तेल कंपनियों ने सिलेंडर में गैस कम करने का फैसला लेने का प्लान बना रही है। अगर यह योजना लागू होती है, तो सिलेंडर की कीमतें भी उसी अनुपात में कम की जाएंगी। अभी दिल्ली में 14.2 किलो के सिलेंडर की कीमत रु913 और मुंबई में रु912.50 हैं। 10 किलो गैस मिलने पर ग्राहकों को कम पैसे चुकाने होंगे। पहचान के लिए इन सिलेंडरों पर एक नया स्टिकर

लगाया जाएगा, जिस पर गैस की सही मात्रा लिखी होगी।इस बदलाव को लागू करना इतना आसान भी नहीं है। बॉटलिंग प्लांट्स को अपने वजन करने वाले सिस्टम को फिर से सेट करना होगा। साथ ही इसके लिए कई रेगुलेटरी मंजूरियों की भी जरूरत पड़ेगी। अधिकारियों को डर है कि अचानक इस बदलाव से लोगों में भ्रम और विरोध की स्थिति पैदा हो सकती है, खासकर तब जब कुछ राज्यों में चुनाव नजदीक हैं।पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने पिछले हफ्ते कई बार कहा कि एलपीजी की सप्लाई 'चिंताजनक' है और इसे बचाना जरूरी है। भारत अपनी जरूरत की 60फीसदी एलपीजी इम्पोर्ट करता है, जिसमें से 90फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों से आता था। पिछले हफ्ते होर्मुज रूट से दो जहाज भारत आए, जिनमें सिर्फ एक दिन की खपत जितनी गैस थी। फिलहाल भारत के 6 गैस टैंकर फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं और रास्ता खुलने का इंतजार कर रहे हैं। क्रूड और गैस के दाम बढ़ने की 2 वजहें- 1. कतर का रास लफ्फान प्लांट बंद, ईरान के ड्रोन हमलों में कतर के रास लफ्फान को काफी नुकसान पहुंचा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी हब है और ग्लोबल सप्लाई का करीब पांचवां हिस्सा (20फीसदी) यहीं से आता है। हमले के बाद इस प्लांट को फिलहाल बंद कर दिया गया है। इससे सप्लाई रुक गई है। 2. 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का लगभग बंद होना- भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20फीसदी हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50फीसदी कच्चा तेल और 54फीसदी एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है। एलपीजी संकट को लेकर अब सरकार ने ये कदम उठाए 6 मार्चः घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के लिए 21 दिन का लॉक-इन पीरियड शुरू किया गया (यानी एक सिलेंडर मिलने के 21 दिन बाद ही दूसरा बुक होगा)। 9 मार्चः डिमांड बढ़ने पर शहरों में लॉक-इन पीरियड बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया। 12 मार्चः ग्रामीण इलाकों के लिए सिलेंडर बुकिंग का गैप बढ़ाकर 45 दिन किया गया। 14 मार्चः पेट्रोलियम मंत्रालय ने पीएनजी (पाइप गैस) यूजर्स के लिए एलपीजी सिलेंडर रखना गैर-कानूनी घोषित किया। अब पीएनजी कनेक्शन वालों को अपना सिलेंडर सरेंडर करना होगा और वे रिफिलिंग नहीं करा पाएंगे।इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, तेल कंपनियों का मानना है कि 14.2 किलो का सिलेंडर औसतन 35 से 40 दिन चलता है। अगर इसमें सिर्फ 10 किलो गैस भरी जाए, तो एक परिवार का काम लगभग एक महीने तक चल जाएगा। इससे जो गैस बचेगी, उसे उन घरों तक पहुंचाया जा सकेगा जहां किल्लत है।

2026 में रूस दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी,बोले- भारत के साथ दोस्ती अटूट

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल के रूस का दौरा करने वाले हैं। इसकी जानकारी खुद

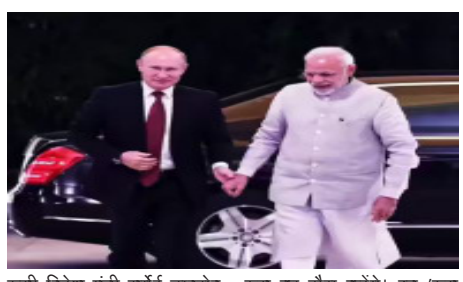

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दी है। उन्होंने कहा है कि रूस को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल रूस का दौरा करेंगे। लावरोव ने 'इंडिया एंड रशियाः टुवर्ड्स अ न्यू बाइलेटूल एजेंडा ' (भारत और रूसः एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर) शीर्षक वाले सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा, 'हम 2026 में प्रधानमंत्री मोदी के रूस दौरे का इंतजार कर रहे हैं।' इस सम्मेलन को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी संबोधित किया है। लावरोव ने कहा, हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी 2026 में रूस का दौरा करेंगे। उन् 'रूस और भारत की दशकों पुरानी दोस्ती इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि दो देशों के बीच आपसी संबंध कैसे होने चाहिए और कैसे बनाए जा सकते हैं।' उन्होंने यह भी कहा, 'उच्चतम स्तर पर होने वाली भरोसेमंद बातचीत की भूमिका को कम करके आंकना मुश्किल है।'रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिसंबर 2025 में अपनी भारत यात्रा के दौरान पीएम मोदी को 24वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस आने का न्योता दिया था। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच ₹100 बिलियन के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य (2030 तक) और लॉजिस्टिक्स, तकनीक व निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा होने की उम्मीद है। 2026 में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान भी दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय समन्वय बना रहेगा। पीएम मोदी ने अक्तूबर 2024 में रूस के कजान में आयोजित 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। जुलाई 2024 में भी पीएम मोदी ने रूस की दो दिवसीय यात्रा की थी। यह यूक्रेन संघर्ष के बाद उनकी पहली रूस यात्रा थी। इस दौरान उन्हें रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द अपोस्टल' से सम्मानित किया गया था। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिसंबर 2025 में भारत का दौरा किया था, जहां दोनों देशों के नेताओं ने 'विज़न 2030' दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की योजनाओं के लाभार्थियों में वितरित किये गये डेमो चेक/प्रमाण पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। प्रदेश सरकार के नव निर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की उपलब्धियों एवं योजनाओं की जानकारी सामुदायिक केन्द्र रतापुर जनपद रायबरेली में आयोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत दी गई। जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी, पूर्व सदस्य महिला आयोग शीला सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जनपद में उत्कृष्ट कार्य कर रही समूह सखी, सविंत्री देवी कृषि आजीविका सखी विकास खण्ड बछरावां, रूचि देवी स्वास्थ्य सखी विकास खण्ड अमावां, ममता देवी स्वाथ्य सखी विकास खण्ड हरचन्दपुर एवं सामुदायिक निवेश निधि की डेमों चेक 190 स्वंय सहायता समूहों हेतु धनराशि 28500000.00 (दो करोड़ पच्चासी लाख मात्र) दिया गया। समस्त विकास खण्डों से उत्कृष्ट उत्पादों का स्टॉल लगाया गया, उत्पादों में सैनेटरी पैड, देशी गाय के उपले, कैरी बैग, हथकघा की साड़ी, घरेलू उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसकी प्रशंसा कर महिलाओं का उत्साहवर्द्धन किया गया एवं निर्देशित किया गया कि विभिन्न विभागों से समन्वय कर उत्पादों के मार्केटिंग की समुचित व्यवस्था की जायें। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त (स्वतः रोजगार) सविता सिंह, शिवेन्द्र सिंह, संतोष चौहान सहित समस्त ब्लॉक मिशन प्रबंधक (नॉन फार्म), जिला मिशन प्रबंधक उपस्थित रहें।

धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा 13 मई तक लागू - एडीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में 19 मार्च से 27 मार्च 2026 तक चैत्र नवरात्रि, 26 मार्च को रामनवमी, 31 मार्च को महावीर जयंती, 03 अप्रैल को गुड फाइडे, 04 अप्रैल को ईस्टर-सैटरडे, 05 अप्रैल को महर्षि कश्यप एवं महाराजा निषादराज गुह्य जयंती, 06 अप्रैल को ईस्टर मन्डे, 14 अप्रैल को भीमराव अम्बेडकर जंयती, 17 अप्रैल को चन्द्रशेखर जयंती, 19 अप्रैल को परशुराम जयंती, 04 मई को बुद्ध पूर्णिमा, 09 मई को लोक नायक महाराणा प्रताप सिंह जयंती, पूर्णिमा/अमावस्या पूर्व पर गंगास्नान एवं आयोग से आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाये, प्राविधिक शिक्षा परिषद/विश्वविद्यालय की गतिमान वार्षिक/सेमेस्टर परिक्षाओं के आयोजन, परीक्षा पुस्तिकाओं का मूल्यांकन व संचारी रोगों के प्रभावी रूप से रोकथाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देश का कियान्वयन किया जाना है। उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत वर्तमान में समयाभाव के कारण पक्षों को सुनने के उपरान्त आदेश पारित किया जाना सम्भव नहीं है। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) सिद्धार्थ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जनपद में लोक परिशान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु एक पक्षीय रूप से 18 मार्च से 13 मई 2026 तक सम्पूर्ण जनपद में निषेधाज्ञा जारी किया है।

मा0 उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बछरावां, आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण,मा0 उपाध्यक्ष ने चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में की पूजा अर्चना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अपर्णा यादव ने जनपद भ्रमण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बछरावां में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया, कार्यक्रम में नवजात बच्चियों की दादी, नानी, बुआ, मौसी आदि के साथ केक काटकर व 60 महिलाओं को बेबी किट और मिठाई वितरित कर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को कन्या सुमंगला योजना के लाभ व महिला आयोग के हेल्पलाइन नंबर 1800 180 5220 सहित अन्य योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कन्या सुमंगला योजना का लाभ दिलाए जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। तत्पश्चात मा0 उपाध्यक्ष द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र मेहरबान खेड़ा का निरीक्षण किया गया जहां पर 0 से 06 वर्ष तक के बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य व पोषण के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी तथा आंगनबाड़ी केन्द्र पर मा0 आयोग की उपाध्यक्ष द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया तथा केन्द्र पर उपस्थिति आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इसके पश्चात मा0 उपाध्यक्ष द्वारा झारखण्डेश्वर महादेव मन्दिर रायबरेली में चैत्र नवरात्र के अवसर पर पूजा अर्चना के पश्चात उपस्थित जनप्रतिनिधि व जन सामान्य लोगों को महिला कल्याण विभाग की संचालित योजनाओं एवं सरकार की जनकल्याण कारी योजनाओं की जागरूकता हेतु बेटी-बचाव बेटी पढ़ाओं, मिशन शक्ति के साथ साथ कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, महिला सशक्तिकरण, खेलकूद, शिक्षा, मनोरंजन आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा बच्चों को चॉकलेट, बिस्किट, टॉफी का वितरण किया। मा0 उपाध्यक्ष द्वारा महिला कल्याण विभाग की संचालित योजनाओं के बारे में संबंधित अधिकारियों से कहा कि चिकित्सालयों व अन्य आयोजित कार्यक्रम स्थलों पर कन्या के जन्म होने पर महिलाओं को कन्या सुमंगला योजना की जानकारी प्रदान कराते हुए उनको उक्त योजना का लाभ दिलाया जाए। जिससे शत प्रतिशत महिलाएं योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके, कोई भी लाभ से वंचित न रहें। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, सीएचसी बछरावां डॉ अर्पिता श्रीवास्तव, राम लाल अकेला, शिवेन्द्र सिंह, काउंसलर श्रद्धा भदौरिया, कृष्ण दत्त शर्मा, रामकरन, प्रभा शुक्ला सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रतिष्ठित गौटेक अवॉर्ड से सम्मानित हुए - डॉ. ब्रजेश शुक्ल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। महाराष्ट्र के पुणे शहर में आयोजित गौ टेक सम्मेलन के भव्य समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसमें देश-विदेश के गौ संरक्षण विशेषज्ञ, वैज्ञानिक एवं उद्यमी उपस्थित थे। डॉ. ब्रजेश शुक्ला ने गौ आधारित उत्पादों के विकास एवं गौ सेवा को आधुनिक तकनीक से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नवाचारी प्रयासों से गौमूत्र, गोबर आधारित जैविक खाद, दवाइयां एवं अन्य उत्पादों का उत्पादन बढ़ा है, जो पर्यावरण संरक्षण एवं सर्कुलर इकोनॉमी के सिद्धांतों पर आधारित हैं। इन उत्पादों ने किसानों की आय दोगुनी करने में सहायक सिद्ध हुए हैं तथा गौ संरक्षण को व्यावसायिक रूप प्रदान किया है। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. वल्लभ भाई कठेरिया जी पूर्व चैयरमेन राष्ट्रीय कामधेनु आयोग अध्यक्ष ने कहा 'श्री शुक्ला के कार्य गौ माता की सेवा को नई दिशा दे रहे हैं। गौटेक 2026 का यह अवॉर्ड उनके समर्पण का प्रतीक है।' डॉ ब्रजेश शुक्ला ने पुरस्कार ग्रहण करते हुए कहा, 'यह मेरे कुलगुरु प्रो.आलोक चौबे को समर्पित है। हम गौ सेवा को राष्ट्रीय आंदोलन बनाएंगे।' गौ सेवा आयोग उ.प्र.के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि डॉ शुक्ला नौजवानों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। गौटेक 2026 आयोजन ने गौ आधारित उद्योगों की संभावनाओं पर चर्चा की तथा भविष्य की योजनाओ पर विचार-विमर्श किया इस समान के लिए डीन साइंस एवं पर्यावरण संकाय प्रो.सूर्यकांत चतुर्वेदी; डॉ. वंदना पाठक, डॉ . एस.एस गौतम, डॉ. वीरेंद्र उपाध्याय, डॉक्टर उमेश शुक्ला, डॉ. कौशल त्रिपाठी, डॉ प्रमोद शर्मा ,डॉ लक्ष्मी द्विवेदी, डॉ. प्रिया मिश्रा ,डॉ. विनोद ऋषी , पूजा शुक्ला सभी लोग बधाईं दिया।

कोल्ड स्टोरेज की इमारत अचानक ढह गई,मलबे में करीब 20 लोगों के दबे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। के फाफामऊ इलाके में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा हुआ, जब एक कोल्ड स्टोरेज की इमारत अचानक ढह गई। मलबे में करीब 20 लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के सैकड़ों लोग जुट गए।रेस्क्यू के लिए 5 जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। साथ ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को भी बुलाया गया है, जो राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। हादसे के दौरान अमोनिया गैस का रिसाव भी हुआ, जिसकी गंध करीब 1 किलोमीटर तक फैल गई। इससे स्थानीय लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ा और कई लोग मुंह पर कपड़ा बांधकर नजर आए। हादसे के समय कई कर्मचारी अंदर मौजूद थे। पुलिस ने मामले में लापरवाही की आशंका को देखते हुए कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। प्रशासन ने आसपास के इलाके को सुरक्षित करने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। राहत और बचाव कार्य जारी है, जबकि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है।

डीएम ने अस्थायी गौ संरक्षण केन्द्र का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश,गोवंश के बेहतरी के लिए निरंतर करें कार्य - हर्षिता माथुर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने विकास खण्ड डलमऊ की अस्थायी गौ संरक्षण केन्द्र पूरे रेवती का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गायों के खानपान, चारे आदि व्यवस्था के बारे में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से जानकारी ली। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि ग्रीष्म ऋतु/हीट वेव से बचाव हेतु सभी गौशाला केन्द्रों पर पर्दे व छायादार वृक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाए। उन्होंने कहा कि गौवंश को बीमारियों आदि से बचाव के लिए समय-समय पर गोवंशों की चिकित्सकीय परीक्षण कराया जाए। गोवंशों के खान-पान चारा आदि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी न होने पाये और गौवंशों की बेहतरी के लिए निरंतर कार्य किये जाये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निरीक्षण रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर आदि रजिस्टरों का अवलोकन भी किया तथा सम्बन्धित अधिकारी से निरीक्षण आदि व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कस्बों में जो निराश्रित गौवंश मिले उन्हें गौशालाओं में पहुंचा कर उनका संरक्षण किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही न बरती जाये। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में चारा, पानी आदि में किसी भी प्रकार की कोई कमी न रहे। इस मौके पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कुलदीप द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

'सघन जनसंपर्क में जुटे जेवर विधायक, पीएम और सीएम के कार्यक्रम को सफल बनाने का लिया संकल्प'

'जेवर में उत्साह चरम पर, जेवर विधानसभा से ही एक लाख से अधिक लोग करेंगे प्रधानमंत्री का ऐतिहासिक स्वागत'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की सीमा से सटे ग्राम किशोरपुर एवं ग्राम दयानतपुर में इन दिनों उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। हर गली और हर घर में एक ही चर्चा है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आगमन और उनका भव्य स्वागत। जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ड'क्षेत्र के लोग इस ऐतिहासिक क्षण को उत्सव के रूप में मनाने के लिए तैयार हैं। साथ ही जेवर विधानसभा क्षेत्र से एक लाख से अधिक लोग प्रधानमंत्री जी की अगवानी के लिए पहुंचेंगे, जो क्षेत्र की एकजुटता और यहां हो रहे विकास के प्रति विश्वास का प्रतीक होगा।' जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि ड'जब इस हवाई अड्डे के निर्माण के लिए क्षेत्र के किसानों ने अपनी जमीनें समर्पित कर दी हैं, तो अपने देश के प्रधानमंत्री जी का स्वागत करना हमारे लिए गर्व और सम्मान की बात है।' जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह पिछले कई दिनों से लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। वह स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों से संवाद कर रहे हैं और उन्हें इस अवसर का सहभागी बनने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पूरे क्षेत्र में तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं और जनसहभागिता निरंतर बढ़ रही है।दिनांक 28 मार्च को जेवर के नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम में लगभग डेढ़ से दो लाख लोग पहुंचेंगे।

भौतिक स्टाम्प पत्रों की सूचना सहायक महानिरीक्षक निबंधन कार्यालय को कराये उपलब्धः एस0बी0 सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सहायक महानिरीक्षक निबंधन रायबरेली एस0बी0 सिंह ने बताया है कि शासन द्वारा जनपद में अवस्थित प्रदेश के सरकारी संस्थानों के साथ-साथ व्यक्तिगत तौर पर क्रय किये गये व वापसी हेतु लंबित रु0 10000 से रु0 25000 मूल्य वर्ग के भौतिक गैर न्यायिक स्टाम्प पत्रों के संबंध में सूचना प्राप्त एवं संकलित कर निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये है। उन्होंने आम जन सामान्य से कहा है कि शासन के निर्देशानुसार किसी भी व्यक्ति के पास रु0 10000, 15000, 20000 एवं रु0 25,000 के भौतिक स्टाम्प पत्रों के सम्बन्ध में सूचना कार्यालय सहायक महानिरीक्षक निबंधन रायबरेली को किसी भी कार्य दिवस में उपलब्ध करा सकते है।

हज यात्री के लिए पासपोर्ट सत्यापन, फ्लाइट बुकिंग, उड़ान स्थल, यात्रा प्रपत्रों एवं हज किट संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा ने बताया है कि हज-2026 में जाने वाले हज यात्रियों की हज यात्रा सुगम्, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने हेतु हज कमेटी ऑफ इण्डिया ने सकुर्लर 34 में निम्न निर्देश दिये हैंः-पासपोर्ट जमा करना- हज-2026 हेतु पासपोर्ट पहले से जमा करने की आवश्यकता समाप्त कर दी गयी है तथा निम्न सुझाव दिये गये हैः- 1. मूल अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट अपनी अभिरक्षा में सुरक्षित रखें तथा पलाइट बुकिंग हेतु उड़ान स्थल पर पहुंचते समय अपने साथ लायें। यात्रा प्रपत्र उड़ान स्थल पर मूल अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट दिखाने पर उपलब्ध कराया जायेगा।

पासपोर्ट सत्यापन- हज-2026 में जाने वाले यात्री बुकिंग के समय पासपोर्ट जमा करने से पहले निम्न तथ्यों को सत्यापित कर लें:-1. पासपोर्ट की वैद्यता 31.12.2026 तक होना अनिवार्य है। पासपोर्ट किसी भी रूप में कटा-फटा, पानी धब्बा युक्त व लैमिनेशन मुचा आदि नही होना चाहिए। पासपोर्ट में कम-से-कम दो पन्ने वीजा स्टैम्पिंग हेतु खाली होना चाहिए। 2. पासपोर्ट में नाम, फोटो, जन्म तिथि और अन्य विवरण हज आवेदन में उपलब्ध डाटा के अनुरूप है यह सुनिश्चित करें। 3. किसी भी विसंगति/डैमेज की स्थिति में सूचना तत्काल उ0प्र0 राज्य हज समिति को समय रहते उपलब्ध करा दें। अन्यथा यात्रा बाधित हो जायेगी। फ्लाइट बुकिंग की पुष्टि- हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई द्वारा पोर्टल पर फ्लाइट बुकिंग सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। बुकिंग उपरान्त जनरेट होने वाली रसीद को अपने पास सुरक्षित रखना होगा। इस रसीद को अपने हस्ताक्षर उपरान्त बुकिंग पोर्टल के माध्यम से नही करायी है उन्हें 48 घण्टे पूर्व तथा जिन्होंने ऑनलाइन पोर्टल पर पलाइट बुकिंग कंफर्म करा ली है उन्हें 24 घण्टे पूर्व अपने लगेज सहित उड़ान स्थल पहुंचना अनिवार्य होगा। यात्रा प्रपत्रों की चेकलिस्ट- यात्री अपने निवासे से उड़ान स्थल पर प्रस्थान करने से पूर्व निम्न बिन्दुओं की जांच अवश्य कर लें कि उनके पास निम्नलिखित प्रपत्र उपलब्ध हैः- 1. मूल पासपोर्ट (पुराना और नया, दोनों, यदि वीजा पुराने पासपोर्ट पर जारी किया गया हो)। 2. हेल्थ कार्ड/मेडिकल फिटनेस और टीकाकरण मूल प्रमाण पत्र। 3. हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई को विभिन्न चरणों में भुगतान की गयी धनराशि की बैंक रसीद की प्रति। 4. यदि आनलाइन कराया है तो हस्ताक्षरित पलाइट बुकिंग कंफर्मेशन रसीद। 5. हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई /30प्र0 राज्य हज समिति द्वारा जारी कोई विशेष प्रपत्र। हज किट प्राप्त करना- हज किट जिसमें स्मार्ट वॉच, आई0कार्ड, वीजा और यात्रा सम्बन्धी अन्य प्रपत्र शामिल हैं. सम्बन्धित उड़ान स्थल से कवर हेड को सभी सदस्यों की ओर से यह किट प्राप्त करना आवश्यक होगा। यदि कोई हज यात्री किसी अन्य व्यक्ति को अपनी ओर से प्रपत्र प्राप्त करने के लिए अधिकृत करता है, तो यह कार्य उसके अपने जोखिम पर निर्भर होगा। अधिकृत व्यक्ति को अपना मूल आधार कार्ड, विधिवत हस्ताक्षरित अधिकृत पत्र तथा उपरोक्त प्रपत्र अपने साथ लाना अनिवार्य है।

मा0 उद्यान मंत्री ने दो दिवसीय मधुमक्खी पालन सेमिनार/गोष्ठी का किया शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह की गरिमायी उपस्थिति में गुरू गोविन्द सिंह पर्यावरणीय उद्यान एवं पार्क, रायबरेली में दो दिवसीय मधुमक्खी पालन सेमिनार/गोष्ठी के आयोजन का शुभारम्भ किया गया। गोष्ठी में मा0 उद्यान मंत्री द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना एवं मुख्यमंत्री औद्यानिक विकास योजनान्तर्गत लो कास्ट मशरूम यूनिट, ड्रैगन फ्रूट, एवं ट्रैक्टर के लाभार्थी कृषकों को चेक वितरित किया गया। योजनान्तर्गत मशरूम यूनिट की स्थापना हेतु 08 कृषकों ड्रैगन फूट की खेती हेतु 5 कृषकों एवं ट्रैक्टर हेतु 01 कृषक कुल 14 कृषकों को धनराशि रु 13,86,000 का चेक वितरित किया गया। सेमिनार के दौरान मा0 उद्यान मंत्री ने कहा कि मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिये जाने हेतु जनपद रायबरेली के राजकीय औद्यानिक प्रक्षेत्र, शिवगढ़, रायबरेली में शहद उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना करायी जा रही है एवं लोगों को मधुमक्खी पालन किये जाने हेतु प्रेरित किया एवं कृषकों के प्रदेश के बाहर सात दिवसीय कृषक, भ्रमण/प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उप निदेशक उद्यान, लखनऊ मण्डल, लखनऊ डॉ0 डी0के0 वर्मा द्वारा किसानों उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 जय राम वर्मा ने बताया कि जनपद में मौनपालन को बढ़ावा दिये जाने हेतु लगातार कृषकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, एवं विभाग द्वारा मौनपालन को बढ़ावा दिये जाने हेतु इकाई लागत का 40 प्रतिशत धनराशि रु 1,28,000/ अनुदान देय है। गोष्ठी में श्री राम बली, सेवानिवृत्त कीट विशेषज्ञ एवं श्री निमित्त सिंह, प्रगतिशील मौनपालक कृषक द्वारा कृषकों को मधुमक्खीपालन की तकनीकी जानकारी दी गयी। इस अवसर पर डा0 एस0वी0 सिंह, वैज्ञानिक के0वी0 के0, डॉ दीपक मिश्श्रा, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, जनपद के प्रगतिशील कृषक एवं उद्यान विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

सलाम नमस्ते में टीबी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते

में टीबी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्मार्ट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सेहत सही लाभ कई स्वास्थ्य श्रृंखला के अंतर्गत आज टीबी मुक्त भारत में शैक्षणिक संस्थानों के योगदान विषय पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को टीबी उन्मूलन के प्रति जागरूक करने और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान संदेश देते हुए डॉ. श्वेता खुराना ने टीबी दिवस के अवसर पर लोगों से तंबाकू के खतरों के प्रति जागरूक रहने और टीबी उन्मूलन में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने युवाओं से टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता फैलाने, सोशल मीडिया के माध्यम से संदेश साझा करने, स्वयंसेवक बनने, टीबी मरीजों का सहयोग करने तथा तंबाकू निषेध के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया गया। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि आज के कार्यक्रम में जिला तंबाकू मुक्त संस्थान से जुड़े शिक्षकों, प्राचार्यों एवं निक्षय मित्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने तंबाकू के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तंबाकू का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। इससे टीबी का इलाज कठिन हो जाता है और मरीज की स्थिति और भी खराब हो सकती है। हम सभी को तंबाकू से दूर रहने का संकल्प लेना हिए दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। सोमवार को कार्यक्रम के दौरान जवाहर इंटर कॉलेज से रचना गुप्ता, मानव रचना स्कूल के कोऑर्डिनेटर अभय कुमार, निक्षय मित्र वरुण सिंह पुंडीर एवं बायोलॉजी शिक्षक शेखर श्रीवास्तव ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। वहीं कार्यक्रम के अंत में सेहत सही लाभ कई हेल्थ क्लब द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता में विशेष योगदान देने वाले युवाओं एवं अतिथियों को सेहत मित्र प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मैहर में नगर पालिका की बिजली गुल,बकाया बिल पर विद्युत विभाग का सख्त एक्शन, पालिका कार्यालय की सप्लाई कटी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। शहर में प्रशासनिक भुगतान को लेकर गंभीर नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से रही है। हमारा लक्ष्य किसी को आसुविधा में डालना नहीं है।

लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है, जहां नगर पालिका का भारी भरकम बिजली बिल बकाया होने के चलते विद्युत वितरण कंपनी ने सीधे कनेक्शन काट दिया। इस कार्रवाई से पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, विद्युत वितरण कंपनी ने बकायादारों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ सरकारी संस्थाओं पर भी कार्रवाई की जा रही है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि नगर पालिका जैसी जिम्मेदार संस्था ही समय पर बिल जमा नहीं कर सकी ।

नगर पालिका कार्यालय की बिजली कटने से यह साफ हो गया है कि जिम्मेदार अधिकारी बकाया बिल जमा नहीं किया गया था, जिसके चलते यह कार्रवाई करनी पड़ी। जब इस संबंध में सीएमओ प्रिंस अग्रवाल से सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ जवाब देने से बचते हुए कहा मैं इसको समझकर बताता हूं।उनका यह जवाब खुद प्रशासनिक तैयारी और जिम्मेदारी पर सवाल खड़ा करता है।

विद्युत विभाग के डी से बात करने पर बताया कि निर्धारित समय अवधि में बिल न जमा करने के कारण नहीं करवाई हुई है. दो टूक संदेश वहीं विद्युत मंडल के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नगर पालिका पर बिजली बिल बकाया है और भुगतान को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई है।मार्च माह में वसूली का विशेष लक्ष्य मिला है, इसी के तहत कार्रवाई की जा अधिकारियों ने यह भी संकेत दिए हैं कि यदि बकाया राशि जल्द जमा नहीं हुई, तो आने वाले समय में अन्य शासकीय सेवाओं के कनेक्शन भी काटे जा सकते हैं। जनता में नाराजगी, उठे सवाल नगरवासियों का कहना है कि जब आम जनता से समय पर बिल वसूला जाता है, तो फिर पालिका खुद नियमों का पालन क्यों नहीं कर रही? क्या यही है जिम्मेदार प्रशासन? जो खुद बिल नहीं भर पा रहा, वो जनता से क्या उम्मीद करेगा? मैहर नगर पालिका की बिजली कटना सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक ढिलाई का बड़ा उदाहरण है। अब देखना होगा कि पालिका कब तक बकाया चुकाकर अपनी व्यवस्था पटरी पर लाती है, या फिर यह मामला और तूल पकड़ता है।

जनगणना-2027: फील्ड ट्रेनर्स के द्वितीय बैच का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। जनगणना-2027

के प्रथम चरण के अंतर्गत 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना' कार्य हेतु जनपद के चयनित 'फील्ड ट्रेनर्स' के द्वितीय बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का अंतिम (तीसरा) दिन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। उन्होंने कहा कि आगामी जनगणना कार्य के सफल प्रशिक्षण एवं क्रियान्वयन में जनपद के कुल 64 चयनित फील्ड ट्रेनर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन ट्रेनर्स को जनपद के सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशिक्षण के दौरान मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित विभिन्न पहलुओं–जैसे भवन, जनगणना हाउस एवं परिवारों की गणना की अवधारणा–पर विस्तार से चर्चा की गई तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण सत्र के छठे दिन सभी ट्रेनर्स को एचएलओ ऐप के माध्यम से नागरिकों से पूछे जाने वाले 34 प्रश्नों एवं उनके उत्तर विकल्पों की जानकारी दी गई। साथ ही परिवार के मुखिया से प्राप्त आंकड़ों को ऐप में दर्ज करने का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। अंत में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सोनभद्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।

रहम की भीख मांग रहा देवी जी का गरीब,इतना भी पत्थर दिल न बने प्रशासन-प्रमोद सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। अमूमन पूरे देश के धार्मिक

स्थलों की बात की जाय तो हर धार्मिक स्थान में गरीब पलता है। धार्मिक स्थलों से ही चाहे भीख मानकर या कोई किसी प्रकार का उपक्रम करके ही गरीब अपने परिवार का भरण पोषण करता है। साल भर में आने वाली दोनों नवरात्रों में की गई कमाई से इन गरीबों के घर का चूल्हा जलता है यानी गरीब के भूख की आग शांत होती है। हमारे प्रशासन में बैठे सभी जिम्मेवार अधिकारी इस बात को बखूबी जानते समझते हैं क्योंकि उन्होंने देश दुनिया की परिस्थितियों को बड़े नजदीक देखा है इसीलिए शायद ये सभी इन कुर्सियों में बिराजमान हैं। माई के धाम में उसी बहाने सेवा का मौका माई ने दिया है इसलिए गरीबों पर रहम करना आवश्यक है। इस नवरात्रि में बेरोजगारी के मार की भरपाई साल भर नहीं कर सकेंगे इसलिए देवीधाम के तमाम जिम्मेवार अधिकारियों से लेकर माई के धाम के सभी सम्मानित जन प्रतिनिधियों से गरीबों की पुकार है कि एक बार उन गरीबों की वेदना को समझे उनके पेट की आग के बारे में सोचें और व्यवस्थित तरीके से उन्हें भी अपना पेट चलाने की अनुमति प्रदान करें। इन गरीबों से अगर किसी को कोई शिकवा शिकायत है तो इन्हें कोई और सजा दे दी जाय लेकिन किसी गरीब का पेट मारकर उसकी आह और उसकी पीड़ा को और न बढ़ाया जाय। मेरी शहर के उन तमाम बुद्धिजीवियों से अपील है कि आप सभी गरीबों के भूंख की वेदना को समझे, और अंधे लूले लंगड़ों बेबस गरीबों की मदद के लिए आगे आइए तभी हमारे शहर की नवरात्री पूर्ण मानी जायेगा जब हम गरीबों के मुंह एक निवाला पहुंचने का कार्य करेंगे। माई के धाम में अगर कोई भूखा सोएगा तो शायद त्रिकूट में बैठी आदिशक्ति को भी अच्छा न लगेगा।

संदीप की संजीवनी का शिकार हुआ भटूरा क्षेत्र का आदिवासी, जमीन पर हो रहा अवैध उत्खनन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर/भटूरा- मैहर जिले का भटूरा

माइनिंग क्षेत्र जहां बड़े पैमाने पर पत्थर की खदानें हैं यहां खनिज एवं राजस्व के अधिकारियों द्वारा वैध-अवैध खदानों की जांच कर बहुत करवाइया की गई है,तो वही खदानों के बगल से पूरा जंगल लगा हुआ जहां चोरी छुपे वन भूमि पर अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध वन विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्यवाही करते हुए जिले में नजीर पेश की है। जहां आज भी वन चौकी पर अवैध खनन करते पाए गए ट्रैक-डंपर और खनन मशीन जंग खाते खड़ी है। भटूरा क्षेत्र में एक ऐसा ही मामला फिर सुखियों में है जहां संदीप नाम का सक्स आदिवासी को बरगला कर उसकी फसल लगी खेती को नष्ट कर उसकी जमीन से अवैध उत्खनन कर राजस्व को रोजाना लाखों चूना लगाते हुए पत्थर निकालने का काम करवा रहा है। यह जमीन आदिवासी महिला के नाम पर है जिसका पूर्व दिनों स्वर्गवास हो चुका है जिस की वजह से देखभाल खेती किसानी स्व. महिला के पति एवं उसका बेटा करता है सूत्र बताते हैं कि भू- माफियाओं ने पट्टाधारक के बेटे से लेनदेन कर उसकी जमीन से पत्थर निकाल कर जमीन को उसी तरह समतल करने का वायदा कर साठगांठ करते हुए चोरी छुपे बिना लीज स्वीकृत कराए ही अवैध उत्खनन कर पत्थर निकाल क्रेशर एवं फैक्टियों को सप्लाई किया जा रहा हैं। जिसका खुलासा जल्द शेष अंग में विस्तार पूर्वक करेंगे

भटूरा क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की उड़ रही धज्जियां, क्रेशरो की धूल से जल जमीन जंगल हो रहे तबाह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। भटूरा क्षेत्र के अंतर्गत आने

वाले वाले क्रेशरो में इन दिनों सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही हैं। यहां संचालित क्रेशर से निकलने वाले धूल के गुब्बार ने पूरे क्षेत्र को गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में ले लिया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि जल, जमीन और जंगल तीनों पर इसका सीधा असर दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्रेशर से लगातार उठने वाली धूल के कारण क्षेत्र की हवा जहरीली होती जा रही है और ऑक्सीजन का स्तर भी लगातार कम हो रहा है। धूल के कारण पेड़-पौधे भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ता जा रहा है। वनों में रहने वाले जीव-जंतुओं की मौत का आंकड़ा दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसके साथ ही उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। सांस लेने में तकलीफ, खांसी, एलर्जी और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की, तो आने वाले समय में स्थिति और भी खतरनाक हो सकती है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर शासन-प्रशासन कब जागेगा? क्या आम जनता की सेहत और पर्यावरण की सुरक्षा की कोई जिम्मेदारी नहीं है? स्थानीय लोगों ने तुरंत जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

खाना बनाते समय सिलेंडर फटा, भाई-बहन की मौत,आसपास के घरों में दरारें आईं

वाराणसी। वाराणसी में मंगलवार सुबह साढ़े 7 बजे खाना बनाते समय गैस सिलेंडर फट गया। धमाके से पूरा मकान ढह गया। भाई-बहन की मौत हो गई। जबकि मां और बड़ा भाई मलबे में दब गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर उन्हें बाहर निकाला और बीएचयू ट्रामा सेंटर में भेज दिया। धमाका इतना भीषण था कि आसपास के कई मकानों में दरारें आ गईं। लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। भागकर मदद के लिए पहुंचे। हादसे में जिन भाई-बहन की जान गई, उनकी पहचान ओम कुमार चौधरी (31) और प्रीति उर्फ लक्ष्मी (28) के रूप में हुई है। हादसे के वक्त घर में परिवार के 4 लोग ही मौजूद थे। घटना काशी विश्वनाथ मंदिर से 7 किलोमीटर दूर लहरतारा इलाके में हुई। मौके पर एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची है। जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। एडीसीपी वरुणा जोन नीतू कादयान ने बताया-'एक मंजिला मकान गिरने की सूचना मिली थी। हादसा सिलेंडर फटने की वजह से हुआ। मकान से 4 लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर्स ने 2 को मृत घोषित कर दिया।'

आशा यस ए वन फाउंडेशन दिव्यांग जनों का करेगा हर संभव मदद... संस्थापिका आशा यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)वाराणसी। हरहुआ आशा

ए-वन फाउंडेशन की ओर से रविवार को दादूपुर स्थित शिव धाम पैलेस में सम्मान समारोह का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के एक दर्जन से अधिक पदाधिकारियों एवं लगभग 30 सदस्यों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कन्याओं का विधि-विधान से पूजन कर प्रसाद वितरण किया गया। फाउंडेशन की संस्थापिका आशा यादव एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा कन्याओं की आरती भी की गई। कार्यक्रम में उपस्थित दर्जनों महिलाओं को भी माला एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।फाउंडेशन के संयोजक डॉ. सर्वोदय सिंह ने बताया कि वर्ष 2026 में दिव्यांग व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें कौशल आधारित शिक्षा प्रदान की जाएगी तथा उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। संस्थापिका आशा यादव ने कहा कि फाउंडेशन गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, महिला उत्पीड़न, बाल शोषण एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित करेगा। इस दौरान जिला अध्यक्ष सर्वेश यादव ने कहा कि गरीबों, असहायों एवं दिव्यांग जनों की सेवा ही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा कि यदि सच्चा सुख और आत्मिक शांति प्राप्त करनी है, तो जरूरतमंदों की मदद करना सबसे श्रेष्ठ कार्य है। कार्यक्रम में हरहुआ एवं चिरईगांव ब्लॉक के सैकड़ों महिला-पुरुषों ने भाग लिया। इस अवसर पर रेखा सिंह, निशा कुमारी, सहदेव यादव, कमलेश एवं ओम प्रकाश सहित कई पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रवक्ता अशोक सिंह ने किया। इस मौके पर ललिता कुमारी, गीतांजलि, लक्ष्मी वर्मा, संजू देवी, नीतू देवी, रेखा देवी, दीपिका सिंह, पूनम सिंह, सुमन रावत, जानकी, आकांक्षा मौर्य, सरिता तथा विश्वेश्वर सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

गलगोटिया विश्वविद्यालय में 'गलगोटिया इन्वेस्टो पिच 2026' का आयोजन, 12 स्टार्टअप्स को मिला अनुदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा गलगोटिया विश्वविद्यालय ने 17-18 मार्च 2026

को दो दिवसीय कार्यक्रम 'गलगोटिया इन्वेस्टो पिच 2026' का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना था। इसमें उभरते उद्यमियों को अपने विचार प्रस्तुत करने और निवेशकों व उद्योग विशेषज्ञों से जुड़ने का अवसर मिला। कार्यक्रम में इंडिकॉर्न एंजेल्स के पार्टनर अमित सिंगल, सेटमायकार्ट के संस्थापक तुषार वडेरा और एसीआईसी जीआईईटी यूनिवर्सिटी फाउंडेशन के सीईओ रविंद्र यादव जैसे विशेषज्ञों ने भाग लिया। उन्होंने स्टार्टअप्स को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने, निवेश प्राप्त करने और बाजार में उतरने के लिए मार्गदर्शन दिया। विशेषज्ञों ने बताया कि स्टार्टअप्स भविष्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का उद्यमिता को बढ़ावा देने में अहम योगदान है। बिजनेस इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप और वित्तीय सहायता को मजबूत स्टार्टअप बनाने के लिए जरूरी बताया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन एमएसएमई-डीएफओ ओखला, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. आर.के. भारती मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि उप निदेशक सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने सरकार की विभिन्न फंडिंग योजनाओं और नई इकाइयों के लिए उपलब्ध नीतिगत सहयोग की जानकारी दी। इसके अलावा एंटरप्राइज माइंड्स इंक की एआई प्रैक्टिस लीडर मधु वडलामनी ने व्यवसाय को अधिक प्रभावी और कम लागत वाला बनाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर गलगोटिया विश्वविद्यालय ने 12 शुरुआती स्टार्टअप्स को कुल 18.5 लाख रुपये का अनुदान देने की घोषणा की। इसमें SMARTFEED+ (2 लाख), URVAH Dynamics Pvt. Ltd. (1.5 लाख), Gas O Detech (2 लाख), Amigos Renewable Energy LLP (2.5 लाख), ECO-SIP (1.25 लाख), Load Cell Based Smart IV Fluid Monitoring System (1.25 लाख), Wilexir Techno LLP (1.5 लाख), Electric VE (1.5 लाख), Desk N Wood Techno Solutions (1.5 लाख), Mumma.AI (1 लाख), Novatrail LLP (1.5 लाख) और AgriRover (1 लाख) शामिल हैं। कार्यक्रम की सफलता गलगोटिया विश्वविद्यालय की नवाचार को बढ़ावा देने और नए उद्यमियों को तैयार करने की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विश्व टीबी दिवस (विश्व क्षय रोग दिवस) -2026 (World TB Day-2026)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रत्येक वर्ष 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस विश्व रोग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका

मुखा उद्देश्य टीबी। क्षय रोग के प्रति लोगों में जागरूकता बढाना, समय पर जॉब एवं उपचार को प्रोत्साहित करना तथा इसके दुष्प्रभाव को कम करना है। टीबी एक गंभीर संक्रामक बीमारी है, जो क्रमश नामक जीवाणु के कारण होती है। यह मुख्त फेपाड़ी को प्रभावित करती है, लेकिन बात और नाखून को छोड़कर शरीर के लगभग सभी अंगों को प्रभावित कर सकती है। यह रोग संक्रमित व्यक्ति के खांसने छींकने या बोलने पर निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों (ड्रॉप्लेट्स) के माध्यम से फैलता है।इस दिन को मनाने का विशेष कारण यह है कि 24 मार्च 18 को जर्मन वैज्ञानिक डॉ. रॉबर्ट कोच ने टीवी के कारक माइको जस्तोसिस जीवाणु की खोज की थी। इस महतापूर्ण सोन के लिए उन्हें वर्ष 1905 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। टीवी के प्रमुख लक्षण दो सप्ताह से अधिक संन्य तक तपतार खांसी खांसी में खून आना, भूख में कमी पाभूख न लगना, लगातार या शाम के समय बुखार आना, सीने में दर्द, कजन में तेजी से कमी, गले (लिम्फ नीट्स) में सूजन आना सोनभद्र ने वर्ष 2015 के टीवी (रोग) आंकड़े कुस टीबी के मरीज 4542, डीआर टीची (कुग रेजिस्टेट टीबी) के 44 मरीज, फेफड़ों के टीबी के मरीज 4040, अन्य अंगों के टीबी के मरीज 399, टीबी से मृत्यु 40, एचआईवी) के मरीज 163, जिनमें 33 मरीजों में टीबी का संक्रमण पाया गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों में टीवी के मामते लगभग तीन गुना अधिक पाए गए है। विशेषज्ञ की राय-मेडिकल कॉलेज के चेस्ट स्पेशलिस्ट डॉ. नागेंद्र कुमार के अनुसार, सोनभद्र एक औद्योगिक जिला होने के कारण यहां सिलिको-ट्यूबरकुलोसिस एवं अन्य वसन संबंधी रोगों के मरीजों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। मेडिकल कॉलेज की स्थापना के बाद जिले एवं आसपास के राज्यों के मरीजों को टीबी एवं वसन रोगों के बेहतर उपकार की सुविधा उपलब्ध हो रही है। विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष्य पर मेडिकल कॉलेज सोनभद्र के डॉ. राहुल सिंह, सहायक आचार्य (जनरल मेडिसिन) ने कहा 'टीबी एक गम्भीर बीमारी के साथ साथ सामाजिक बीमारी भी है। इसीलिए टीबी मुक्त भारत के राक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामाजिक संगठनों, सास्थ्यकर्मियों और सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा। जिला क्षय रोग केंद्र, सोनभद्र में तैनात बेस्ट स्पेशलिस्ट डॉ. जगदीशा पटेल ने बताया कि- सोनभद्र के सभी टीबी के मरीजों का इतार/उपचार, जांच एवं कॉती- अप राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम एवं पीएमडीटी गाइडलाइंस के तहत निःशुल्क किया जा रहा है। डॉ. जगदीश पटेल ने चताया कि सोनभद्र में 1 जनवरी 2016 से 20 मार्च 2026 तक 868 लोगों में टीबी की पुष्टि हुई है, जिनमें से 13 मरीज हग रेजिस्टेंट टीबी के पाए गए हैं, जिनका उपचार भारत सरकार की गाइडलाइंस के अनुसार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि टीबी का इलाज शत-प्रतिशत संभव है. बसों मरीज अफवाहों कुप्रचार तथा साद-कुंक पर भान न दें। टीबी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच कराए और निकिलाक की सताह के अनुसार पूरा उपवर कराएं। टीवी से बचाव एवं नियंत्रण के उपाय- खांसी पा छींकते समय मुंह और नाक को ढके,दो सप्ताह से अधिक खांसी होने पर तुरंत जांच कराएं, टीबी के मरीज दवा बीच में न छोड़े (डॉट्स/ निक्षय योजना का पालन करें) वीहिक आहार लें और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं,कैसीजी (0) टीकाकरण बच्चों में सुरक्षा प्रदान करता है. टीबी मरीजों के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों की भी जांब कराए। जारीकर्ता- टीबी गंभीर लेकिन पूर्णत उभचार योग्य बीमारी है। समय पर पहान्छन, सही उपचार और जन-जागरूकता से इसे पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। टीबी हारेगा, देश जीतेगा के संदेश के साथ सभी नागरिकों से अपील की गई कि ते टीबी उन्मूलन में सहयोग करें। डॉ. नागेंद्र कुमार, पेड स्पेशलिस्ट मेडिकलन सोनभद्र। डॉ. जगदीश पटेल, बेस्ट लिस्ट जिला क्षयरोग केंद्र (डीटीसी) सोनभद।

304 हिन्दी जोड़ों का एवं दो मुस्लिम जोड़ों का डायट परिसर में विवाह हुआ सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत जिला प्रशासन

सोनभद्र के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक-23.03.2026 को डायट परिसर, उरमौरा, रावट्र्सगंज, सोनभद्र में 302 हिन्दु एवं 02 मुस्लिम जोड़ों सहित कुल 304 जोड़ों का सामूहिक विवाह उनके रिति-रिवाज के अनुसार भव्य रूप से सम्पन्न कराया गया। उक्त आयोजन में विकास खण्ड रावट्र्सगंज से 78, घोरवल से 80, करमा से 51, चतरा से 48 एवं नगवां से 47 पात्र जोड़े सम्मिलित हुये। उक्त आयोजन में मा0 सांसद छोटेलाल खरावार, मा0 ब्लाक प्रमुख नगवां, मा0 जिला पंचायत सदस्य मोहन कुशवाहा इत्यादि जनप्रतिनिधिगणों के साथ-साथ मुख्य विकास अधिकारी महोदया, अपरजिलाधिकारी (नमामि गंगे), जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, सहायक सूचना अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगणों ने उपस्थित वर-वधू का कन्यादान करते हुए उन्हे अपना अर्शिवाद प्रदान किया। शासनादेश के अनुसार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में सम्मिलित होने वाले प्रति युगल हेतु रू0 1,00,000/- (रू0 एक लाख मात्र) का व्यय भार निर्धारित है। जिसमें कन्या के दाम्पत्य जीवन खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना हेतु सहायता राशि रू0 60,000/- (रू0 साठ हजार मात्र) कन्या के खाते में डी0बी0टी के माध्यम से अन्तरित की जायेगी एवं धनराशि रू0 25,000/- (रू0 पच्चीस हजार मात्र) का वैवाहिक उपहार सामग्री यथा-पालय-बिछिया, गद्दा, तकिया, साड़ी, ब्लाउज, पेटिकोट, चुनरी, लहंगा, चादर, प्रेस, डिनर सेट, सिलिंग फैन, मिष्ठान इत्यादि तथा कन्या को कलाई घड़ी प्रदान की गयी। बिरला कार्बन रेनुकूट द्वारा वैवाहिक जोड़ो को उपहार सामग्री प्रदान की गयी। कार्यकम आयोजन हेतु भोजन, पण्डाल, फर्नीचर, पेयजल, विद्युत/प्रकाश एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु रू0 15,000/- (रू0 पन्द्रह हजार मात्र) प्रति जोड़ा व्यय किया गया। उक्त आयोजन में सामूहिक विवाह सेल्फी प्वाइंट एवं नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सेल्फी प्वाइंट बनाया जाने के साथ-साथ उपस्थित जनमानस के बीच समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बैनर पम्पलेट, स्टैण्डी, पोस्टर आदि के माध्यम से प्रचार-प्रसार भी किया गया, जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोग समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित हो सके।(ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया) जिला समाज कल्याण अधिकारी, सोनभद्र। कार्यालय-जिला समाज कल्याण अधिकारी, सोनभद्र। पत्रांक- 8-2917 / स0क0/ मु0सा0वि0यो0/प्रेस विज्ञप्ति/ 2025-26 दिनांक-23-03-26 प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित- 1. निदेशक, स0क0, उ0प्र0 लखनऊ की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित। 2. जिलाधिकारी महोदय को सादर अवलोकनार्थ प्रेषित। 3. मुख्य विकास अधिकारी महोदया को सादर सूचनार्थ प्रेषित। 4. उपनिदेशक, स0क0, विन्ध्याचल मण्डल, मीरजापुर की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित। 5. जिला सूचना अधिकारी, सोनभद्र को इस अनुरोध के साथ कि उक्त विज्ञप्ति को जनपद के सभी दैनिक समाचार पत्रों में निःशुल्क प्रकाशित कराने का कष्ट करें। 6. सम्पादक-अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान को इस अनुरोध के साथ कि उक्त विज्ञप्ति को अपने दैनिक समाचार पत्रों में निःशुल्क प्रकाशित कराने का कष्ट करें। जिला समाज कल्याण अधिकारी, सोनभद्।

डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती और भगत सिंह की शहादत दिवस मनाया गया,अखिलेश यादव की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला

कार्यालय सोनभद्र पर महान चिंतक ओजस्वी वक्ता सामाजिक न्याय के लिए आजीवन समर्पित डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की जयंती मनाई गई एवं देश को आजादी दिलाने वाले देशभक्त भगत सिंह की शहादत दिवस भी मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिमा पर अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि प्रखर समाजवादी चिंतक एवं विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया एक ऐसे महान नेता थे जिन्होंने हमेशा हर गरीब की लड़ाई लड़ने का काम किया और उनको अधिकार दिलाने के लिए हमेशा सड़क से सदन तक संघर्ष करने का काम किया। श्री यादव ने कहा कि देश को आजादी देने वाले महान देश प्रेमी भगत सिंह देश के लिए अपनी जान की भी बाजी लगा दी और देश को आजाद करने में महान भूमिका निभाई। श्री यादव ने कहा कि आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हर वर्ग की लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं और अपने स्तर से हर वर्ग की मदद करने का भी काम कर रहे हैं। इसलिए समाजवादी पार्टी के एक-एक सिपाही की जिम्मेदारी है कि हम लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष के नीतियों को जन-जन तक पहुंचते हुए आम जनता की समस्याओं को भी अपने स्तर से अधिकारियों से मिलकर हल करने का काम करें। इस मौके पर संगोष्ठी को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारीणी सदस्य राम भरोसे सिंह पटेल जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी अनिल प्रधान अशोक पटेल सरदार पारब्रह्म सिंह फारूक अली जिलानी डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल सूरज मिश्रा विनीत सरोज गुलाम यासीन सुशील राय राजू शर्मा बहादुर राजमणि विष्णु कुशवाहा अभय सीताराम भारती विनोद विवेक सिंह पटेल सूर्यकांत घनश्याम गौड़ पीयूष जगत पटेल सौंर्य त्रिपाठी अतुल दीनानाथ अग्रवाल के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्राइवेट चिकित्सकों का होली मिलन समारोहः जमकर उड़े अबीर और गुलाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रूरल हेल्थ वेलफेयर

सोसाईटी, उत्तर प्रदेश (प्राईवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन सोनभद्र) द्वारा राबट्र्सगंज स्थित स्वामी विवेकानन्द प्रेक्षागृह में बसन्त उत्सव होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों ने एक दूसरे को अबीर, गुलाल लगाकर गले मिले। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 नन्दजी सिंह ने कहा कि होली बसन्त ऋतु का संदेश वाहक माना जाता है एवं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बुराई पर अच्छाई के रूप में भी मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि अनुभव के आधार पर चिकित्सा कार्य कर रहे चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के लिए भगवान के रूप में काम करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष डा0 ओ0पी0 मौर्य ने कहा कि रूरल हेल्थ वेलफेयर सोसाईटी की चाहत है कि पंजीकृत चिकित्सकों के देखरेख में 05 से 10 वर्ष का अनुभव प्राप्त चिकित्सकों को 06 माह से 01 वर्ष का प्रशिक्षण देकर प्राथमिक उपचार करने के लिए अनुमति दिया जाय, आयुर्वेद रत्न, वैद्य विषारद पद्धति से चिकित्सा कार्य करने वाले चिकित्सकों को मान्यता दिया जाय, आर0एम0पी0 रजिस्ट्रेशन को उ0प्र0 ने पुनः मान्यता दिया जाय, 1500 के आबादी पर एक चिकित्सा मित्र की नियुक्ति किया जाय। इस मौके पर डॉ. लोकपति सिंह, डॉ. उदयनाथ सिंह, डॉ. बीआर मौर्य, डॉ. डीके विश्वकर्मा, डॉ. आरके पटेल, डॉ. पीके विश्वास, डॉ. सुनील सिंह, अविनाश शुक्ला, डॉ. एसपी सिंह पासवान, डॉ. अनिल विश्वकर्मा, डॉ. पीके राय, डॉ. हीरालाल मौर्य, डॉ. जावेद अंसारी, डॉ. ज्वाला सिंह, डॉ. एमपी यादव, डॉ. कृपाशंकर चौहान, डॉ. बी नाथ, डॉ. राकेश बिंद, डॉ. दिनेश प्रजापति, डॉ. पुनवासी पटेल, डॉ. कैलाश नाथ प्रजापति, डॉ. वीरेंद्र कुशवाहा, डॉ. चन्द्रशेखर सिंह मौर्य, डॉ. पीएन पांडे, डॉ. रमेश यादव, डॉ. यूके पांडे, डॉ. रवींद्र प्रधान, चेयरमैन, हरिहर सिंह चौहान, उमेश सिंह आदि लोग मौजूद रहें।

ग्राम प्रधान ने लगया आरोप , मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से वंचित करने का विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ग्राम प्रधान उधम सिंह

यादव ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पर अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी नामित ज्ञापन संबंधित अधिकारियों को सौंपा। उन्होंने बताया कि उनके ग्राम पंचायत मारकुण्डी के गरीब व असहाय व्यक्तियों की पुत्रियों का मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन किया गया था और ग्राम पंचायत अंतर्गत कुल पात्र युवतियों का उक्त योजना के तहत स्वीकृत हुआ था।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत उनके ग्राम पंचायत मारकुण्डी से उक्त सातों युवतियों के सामूहिक विवाह डायट परिसर, उरमौरा, राबट्र्सगंज, जनपद- सोनभद्र में 23.03. को विवाह होना प्रस्तावित हुआ था, लेकिन 21.03.2026 को खण्ड विकास अधिकारी, राबट्र्सगंज से सम्बद्ध अधिकारी द्वारा बताया गया कि बी0डी0ओ0 द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लक्ष्य प्राप्त हो जाने के कारण उनके ग्राम पंचायत अंतर्गत लाभार्थियों को उक्त प्रस्तावित योजना से वंचित किया जाता है।ग्राम प्रधान ने बताया कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बात की और साक्ष्य सहित अभिलेख प्रस्तुत करने पर 26.03.2026 को चोपन में प्रस्तावित सामूहिक विवाह में उनके ग्राम पंचायत के लाभाथियों को शामिल कर उनका सामूहिक विवाह कराने पर विचार करने का आश्वासन दिया गया है।ग्राम प्रधान उधम सिंह यादव ने बताया कि प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न प्रपत्रों का सम्यक अवलोकन करते हुए प्रार्थी के ग्राम पंचायत अंतर्गत मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लाभार्थियों का सामूहिक विवाह कराया जाना जनहित में आवश्यक है, तो उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।इस मौके पर रामेश्वर प्रसाद, रतन लाल, विनोद, नारद, विफन, बचउ, गुड्डी आदि लोग मौजूद रहें। वही संदर्भ में सीडीओ जागृति अवस्थी ने बताया कि आया है मामले की जांच कराकर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

551 दीप प्रज्ज्वलित कर विनम्र भाव से श्रद्धांजलि दी गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रत्येक वर्ष की भांति

इस वर्ष भी शहीद ए आजम भगत सिंह ,जन चेतना संस्थान द्वारा शहीदों के नमन कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह,शहीद राजगुरु और शहीद सुखदेव जी को 551 दीप प्रज्वलित कर विनम्र भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई ! इसके पहले इन शहीदों के स्मृति में बलिदान पुनर्स्मरमण पद यात्रा गुरुद्वारा राबट्र्सगंज से बढ़ौली चौराहा राबट्र्सगंज,सोनभद्र तक निकाला गया ! इस पद यात्रा में शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु बने बच्चे आकर्षण का केंद्र रहे, सभी नगरवासियों द्वारा पुष्प वर्षा करके आजादी के दीवानों का अभिवादन किया गया !दीपों द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि देने के पश्चात एक दिन पूर्व आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता और चित्र कला प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया ! बालिका वर्ग में आरोही दुबे प्रथम, नंदिनी चंदक द्वितीय,प्रतिमा मौर्य तृतीय रही और बालक वर्ग में नैन चौबे प्रथम, रामनारायण द्वितीय , वीरेंद्र प्रताप तृतीय रहे , साथ ही चित्र कला प्रतियोगिता में तनु मौर्या प्रथम, आयुष कुमार द्वितीय, नितेश कुमार तृतीय स्थान प्राप्त किए !इस मौके पर अजीत सिंह भंडारी, देवेंद्र सिंह, कृतपाल सिंह, मंजीत सिंह,, सुरेंद्र सिंह, जगकीरत सिंह, बलकार सिंह, राजेश द्विवेदी, संदीप सिंह , विजय जैन राजाराम दुबे, देवानंद पाठक, राकेश चौधरी, वकील खान , बी एन सिंह,बृजेश श्रीवास्तव, भीम सिंह,क्रांति सिंह, सुनील सिंह, अनुज सिंह,अभिषेक मिश्रा आदि लोग रहे! इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री गंगा राम बौद्ध शिक्षण संस्थान मानपुर के बच्चों का सहयोग सराहनीय रहा !

सोनभद्र में तीन दिवसीय जन जातीय उत्सव का हुआ आगाज, तीन प्रांतों उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व राजस्थान के कलाकारों ने दिखाया दमखम

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, जिला प्रशासन सोनभद्र व संत कीनाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोढ़ी के सहयोग से चल रहा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला मुख्यालय लोढ़ी, सोनभद्र स्थित संत कीनाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में तीन दिवसीय जन जातीय उत्सव का आगाज सोमवार से शुरू हो गया। इसमें तीन प्रांतों उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व राजस्थान के कलाकारों ने अपना दमखम दिखाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी राम सकल चौबे, कार्यक्रम संयोजक एवं प्राचार्य डॉक्टर गोपाल सिंह, विशिष्ट अतिथि शमशेर बहादुर सिंह जिला मंत्री राष्ट्रीय ग्राम प्रधान संघ, मोहन कुशवाहा जिला पंचायत सदस्य, बलवंत सिंह प्रबंधक, राजेश कुमार मिश्रा प्रबंधक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश द्विवेदी, नार सिंह पटेल, डॉक्टर अशोक मिश्रा के द्वारा दिप

प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के आयोजक एवं संत कीनाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोढ़ी, सोनभद्र के प्राचार्य डॉक्टर गोपाल सिंह ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में तीन दिवसीय जन जातीय उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह आयोजन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के निदेशक सुदेश शर्मा, जिला प्रशासन, सोनभद्र व संत कीनाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोढ़ी, सोनभद्र के सहयोग से हो रहा है। पहले दिन सोमवार को कार्यक्रम की शुरुआत आल्हा गायन शरद अनुरागी एवं दल महोबा से हुई। इसके बाद करमा नृत्य कतवारू राम एवं दल सोनभद्र, डोमकच्छ नृत्य सुक्खन एवं दल सोनभद्र, झूमर नृत्य आशा देवी एवं दल सोनभद्र, धरकहरी नृत्य रामधनी मड़कूड़ी एवं दल सोनभद्र व चकरी चरी भवई नृत्य तेजकरण एवं दल राजस्थान के कलाकारों द्वारा पेश किया गया। 24 मार्च मंगलवार को आल्हा गायन अंजलि सिंह एवं दल रायबरेली, रीना शैला नृत्य हास कुमार मरावी एवं दल डिंडौरी मध्यप्रदेश,गरद बाजा नृत्य सोनाराम एवं दल सोनभद्र, करमा नृत्य राम आधार एवं दल सोनभद्र, चकरी चरी भवई नृत्य तेजकरण एवं दल राजस्थान एवं गुदुम्बबाजा लिखीराम धुर्वे एवं दल मध्यप्रदेश के कलाकारों द्वारा पेश किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी रामसकल चौबे व संचालन आराध्या व गौरी ने किया। इस मौके पर उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि मनोज कुमार, राजेंद्र प्रसाद मौर्य, कैलाश बिहारी केसरी एवं आदित्य मौजूद रहे।

ChatGPT की सलाह ने पहुंचाया अस्पताल,एआई से कभी न लें हेल्थ एडवाइज, इन तरीकों से पाएं सही हेल्थ इंफॉर्मेशन

डर, उम्मीद या झटपट इलाज का वादा। कमी रेगुलेशन की है, कोई भी कुछ भी पोस्ट कर सकता है। इको चैंबर्स में लोग सिर्फ अपनी मान्यताओं वाली पोस्ट्स देखते हैं, जिससे गलत जानकारी बढ़ती है। साइंस को समझना जटिल होता है, इसलिए लोग आसान लगने वाली गलत टिप्स पर भरोसा कर लेते हैं। सवालः किन सोर्सेस पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पर भरोसा नहीं करना चाहिए? जवाबः कई सोर्स ऐसे हो सकते हैं, जहां से गलत जानकारी मिल सकती है।

जैसे-सोशल मीडियाः फेसबुक, इंस्टाग्राम या टिकटॉक पर वायरल पोस्ट्स अक्सर बिना किसी सबूत के लिखे गए होते हैं। इनके ऊपर भरोसा न करें। पर्सनल ब्लॉग्स या अनजान वेबसाइट्सः अगर लेखक कोई एक्सपर्ट नहीं है, तो भरोसा न करें। इस बात का भी ख्याल रखें कि हर किसी की हेल्थ कंडीशन अलग होती है तो उसके लिए अलग ट्रीटमेंट की जरूरत होती है। एप्स या एआई चैटबॉट्सः ChatGPT, उैदव्एआई जैसे चैटबॉट्स सेव किए गए डेटा के आधार पर सामान्य जानकारी देते हैं, ये व्यक्तिगत हेल्थ एडवाइज नहीं देते हैं। प्रोडक्ट सेलिंग साइट्सः जो कंपनियां कोई दवा या सप्लीमेंट बेच रही हैं, वे इनके फायदे बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं। टेस्टिमोनियल्सः किसी की पर्सनल स्टोरी मददगार हो सकती है, लेकिन सबके लिए लागू नहीं होती है। सवालः स्वास्थ्य मिसइनफॉर्मेशन कैसे पहचानें? जवाबः कुछ संकेत हैं- अगर कोई 'मिरेकल क्योर' या झटपट इलाज का वादा करे, जैसे 'यह जड़ी-बूटी सब बीमारियां ठीक कर देगी'। लेखक की क्रेडेंशियल्स चेक करें- क्या वे डॉक्टर या रिसर्चर हैं? सबूत देखें- क्या रेफरेंस हैं पीयर-रिव्यूड स्टडीज के है। डर या इमोशनल भाषा वाले कंटेंट से सावधान रहें। अगर कोई जानकारी एकतरफा है। उसमें कोई साइड इफेक्ट या रिस्क नहीं बताया गया है तो शक करें। हमेशा जानकारी को कई सोर्सेस से क्रॉस चेक करें। सवालः भरोसेमंद स्वास्थ्य जानकारी जुटाने के तरीके क्या हैं? जवाबः सही जानकारी के लिए ऑथेंटिक सोर्सेस चुनें। जैसे- गवर्नमेंट वेबसाइट्सः भारत में आयुष मंत्रालय, डब्लूएचओ या सीडीसी की साइट्स। मेडिकल ऑर्गनाइजेशंसः अपोलो, मेयो क्लिनिक या इंडियन मेडिकल एसोसिएशन। पीयर-रिव्यूड जर्नल्सः जैसे लैंसेट या एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन। डॉक्टर से बात करेंः हमेशा पर्सनल एडवाइज के लिए डॉक्टर से मिलें।

मेडलाइन प्लस या NIH जैसी साइट्सः वे अपडेटेड और रिसर्च बेस्ड होती हैं। डॉ. अजय नायर कहते हैं, वेबसाइट का यूआरएल चेक करें- .gov Ùee .edu वाली ज्यादा भरोसेमंद होती हैं। इस बात का ख्याल जरूर रखिए कि ये पर्सनलाइज्ड हेल्थ एडवाइज नहीं है। सवालः वेबसाइट की विश्वसनीयता कैसे चेक करें?

जवाबः देखें कि 'अबाउट अस' सेक्शन कौन चला रहा है। इसका उद्देश्य क्या है? लेखक कौन है- एक्सपर्ट या नहीं? जानकारी कब अपडेट हुई? प्राइवेसी पॉलिसी चेक करें- आपका डेटा सेफ है? अगर विज्ञापन हैं, तो क्या वे जानकारी से अलग हैं? कुकीज के बारे में पढ़ें। अगर साइट प्रोडक्ट बेच रही है, तो सावधान रहें। कॉन्टैक्ट की जानकारी होनी चाहिए- ईमेल या फोन। सवालः सोशल मीडिया या एप्स से स्वास्थ्य जानकारी लेते समय क्या सावधानियां बरतें?

जवाबः सोशल मीडिया पर पोस्ट फ्रेंड से हो तो भी चेक करें- ओरिजिनल सोर्स क्या है? फैक्ट-चेकिंग साइट्स जैसे स्नोप्स इस्तेमाल करें। एप्स डाउनलोड करने से पहले देखें- कौन बनाया है, रिव्यूज क्या हैं? अगर एप पर्सनल डेटा मांगती है, तो सोचें- जरूरी है? हमेशा डॉक्टर से कन्फर्म करें। पब्लिक वाई-फाई पर संवेदनशील जानकारी न शेयर करें।सवालः अगर स्वास्थ्य जानकारी गलत निकली तो क्या करें? जवाबः अगर कोई सलाह से नुकसान हुआ, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। मिसइनफॉर्मेशन रिपोर्ट करें- सोशल मीडिया पर फ्लैग करें या डब्लूएचओ जैसी एजेंसी को बताएं। खुद को दोष न दें, बल्कि सीख लें। परिवार और दोस्तों को जागरूक करें। भारत में साइबर फ्रॉड के लिए हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें अगर कोई स्कैम हो। सवालः बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जानकारी कैसे सेफ रखें? जवाबः बुजुर्ग अक्सर ऑनलाइन स्कैम का शिकार होते हैं। उन्हें सिखाएं- अनजान लिंक्स न खोलें, स्ट्रॉन्ग पासवर्ड यूज करें, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन रखें। हेल्थ बुक या न्यूज पढ़ते समय सोर्स चेक करें। डॉक्टर से रेगुलर चेकअप करवाएं। अगर कोई स्कैम लगे तो पुलिस की साइबर सेल में रिपोर्ट करें। सवालः हेल्थ एडवाइज लेने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? जवाबः सबसे अच्छा है डॉक्टर या हेल्थकेयर प्रोफेशनल से मिलना। वे आपकी उम्र, हिस्ट्री और स्थिति देखकर सलाह देते हैं। ऑनलाइन जानकारी सिर्फ शुरुआत के लिए इस्तेमाल करें, फैसले के लिए नहीं। किताबें पढ़ें लेकिन अपडेटेड और रिव्यूड किताबें पढ़ें। हेल्थ एप्स यूज करें लेकिन ट्रस्टेड ऑर्गनाइजेशंस वाले ऐप यूज करें। याद रखें, कोई भी जानकारी डॉक्टर की जगह नहीं ले सकती है।हमें सीखना चाहिए कि हमारी हेल्थ कोई खेल नहीं है। AI या इंटरनेट सलाह से पहले सोचें, चेक करें और डॉक्टर से पूछें। सही जानकारी से ही स्वस्थ जीवन संभव है। अगर परिवार में कोई गलत टिप्स फॉलो कर रहा है तो उन्हें तुरंत रोकें।

कौन थे मेजर ध्यानचंद? हॉकी उठाकर पूरी दुनिया में बजाया था भारत का डंका, हुनर के कायल बने लोग

प्रयागराज। मेजर ध्यानचंद का हॉकी के प्रति समर्पण, प्रेम और जज्बा ही था, जो उनके बाद कोई दूसरा खिलाड़ी देशवासियों के दिल में वह जगह नहीं बना पाया, जो हॉकी के जादूगर की है। खेल प्रेमी ही नहीं हर भारतीय के मन में मेजर ध्यानचंद के प्रति अगाध श्रद्धा और प्रेम है। हर कोई उनकी शख्सियत का कायल था। मेजर ध्यानचंद हॉकी में भारत को पहचान दिलाने वाले दिग्गज खिलाड़ी, जिनका नाम देश के बच्चे-बच्चे की जुबां पर आज भी रहता हैं। बताया जाता हैं मेजर ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज), उत्तर प्रदेश, भारत में हुआ था। ध्यानचंद ने यह गौरव देश को तब दिलाया जब वह गुलामी की सांसें ले रहा था। वह अपने गोल करने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। वह हॉकी स्किट से सटाकर गेंद को सीधे गोल पोस्ट तक पहुंचाने की कला में माहिर थे। इसी कारण उन्हें हॉकी का'जादूगर' कहा जाता था। 29 अगस्त 1905 को प्रयागराज (इलाहाबाद) में जन्मे ध्यानचंद ने आगे चलकर हॉकी की दुनिया में इतिहास रचा था।ध्यानचंद के पिता समेश्वर सिंह ब्रिटिश आर्मी में थे। पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए केवल 16 साल की कम उम्र में ही ध्यानचंद ने भी आर्मी जॉइन कर ली। ध्यानचंद बहुत छोटी उम्र से ही हॉकी खेलने लगे थे। ब्रिटिश सेना में भर्ती होने के बाद भी उन्होंने अपना खेल जारी रखा।साल 1922 से लेकर 1926 के दौरान ध्यानचंद आर्मी में होने वाले हर लेवल के हॉकी टूर्नामेंट्स का हिस्सा रहे। वह इस खेल के प्रति इतने जुनूनी थे कि ड्यूटी से लौटने के बाद भी देर रात तक इसमें डूबे रहते थे। इसी का नतीजा था कि वह अपनी आर्मी टीम को लेकर न्यूजीलैंड दौर पर भी गए थे, जहां उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 18 मैच जीते

थे।ध्यानचंद ने साल 1926 से 1949 तक इंटरनेशनल हॉकी टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेकर इस खेल के जरिए देश का मान बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया और 500 से ज्यादा गोल अपने नाम किए थे। ध्यानचंद का बेहतरीन खेल ब्रिटिश अफसरों की नजरों से भी न छुप सका। वापस आने पर उन्हें आर्मी ने 'लान्स नाइक' की उपाधि दी।साल 1928 में हॉकी को पहली बार ओलंपिक में शामिल किया गया था। इसी के साथ एम्स्टर्डम में हुए ओलंपिक में ध्यान चंद ने डेब्यू किया था और परतंत्र भारत ने अपना पहला गोल्ड मेडल जीता था। इस टूर्नामेंट में मेजर ध्यानचंद ने अभूतपूर्व योगदान दिया था। ध्यान चंद ने इस टूर्नामेंट में कुल 14 गोल किए।इतना ही नहीं 1932 में लॉस एंजिल्स में इंडियन हॉकी टीम ने दूसरा गोल्ड हासिल किया और ध्यानचंद इस दल के प्रमुख सदस्य थे। इस ओलंपिक में ध्यान चंद के भाई रूप सिंह भी थे। दोनों भाईयों ने मिलकर टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और भारत ने लगातार दूसरा स्वर्ण पदक हॉकी में जीता था। 1936 को बर्लिन ओलंपिक का वह पल भारतीयों के लिए बेहद महत्वपूर्ण था, जब तीसरा स्वर्ण पदक भी भारत की झोली में आया। ध्यानचंद की कप्तानी में भारत ने यह हैट्रिक लगाई थी।

'वंडरकिड्स' का दबदबा, छोटी उम्र में तैयार हो रहे खिलाड़ी

नयी दिल्ली। खेलों की दुनिया में अद्भुत ट्रेंड नजर आने लगा है। इंग्लिश फुटबॉल क्लब आर्सनल के मैक्स डॉवमैन हाल ही में प्रीमियर लीग के इतिहास में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं। स्केटबोर्डिंग में 17 वर्षीय स्काई ब्राउन और डाट्र्स में 18 वर्षीय ल्यूक लिटलर दो-दो बार वर्ल्ड चैम्पियन बन चुके हैं। क्रिकेट में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी आईपीएल और अंडर-19 वर्ल्ड कप खेलने और शतक लगाने वाले सबसे युवा बैटर हैं। टेनिस में एमा राडुकानू ने 18 की उम्र में ग्रैंड स्लैम जीता था। फॉर्मूला-1 में 19 वर्षीय किमी एंटोनेली दूसरे सबसे कम उम्र के रेस विनर बने हैं। ऐसा लगता है टीनेजर्स खेलों पर राज कर रहे हैं।

इंस्टेंट नूडल्स खाने में भारत चौथे नंबर पर,न्यूट्रिशनिस्ट की चेतावनी, ज्यादा खाने से बढ़ेगा बीपी और इंफ्लेमेशन

नयी दिल्ली। पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा इंस्टेंट नूडल्स खाने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर

है। वर्ल्ड इंस्टेंट नूडल्स एसोसिएशन (डब्लूआईएनए) के मुताबिक वर्ष 2023 में हमारे यहां इंस्टेंट नूडल्स की खपत 8.7 अरब सर्विंग्स नूडल्स पर पहुंच गई। वर्ष 2018 से 2023 के बीच भारत में इंस्टेंट नूडल्स का मार्केट 13फीसदी की कंपाउंड रेट के साथ बढ़ा है। फिलहाल

ऑथेंटिक आंकड़े तो 2023 तक के उपलब्ध हैं, लेकिन यह मार्केट तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि लोगों की खाने की आदतें बदल रही हैं। शहरों की आबादी बढ़ रही है और लोगों के खर्च करने की क्षमता में भी इजाफा हो रहा है। साल 2024 में इस मार्केट की कीमत अरबों अमेरिकी डॉलर हो गई है और 2030 तक इसके और भी ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन क्या रोज इन्हें खाना ठीक है? क्या हम सिर्फ इंस्टेंट नूडल्स पर जिंदा रह सकते हैं और स्वस्थ भी? कई लोग इसे घर का आरामदायक खाना मानते हैं। अगर ये रोज का खाना बन जाएं तो सेहत पर क्या असर पड़ता है? आज 'फिजिकल हेल्थ' में हम इसी पर बात करेंगे। जानेंगे कि- इंस्टेंट नूडल्स के कौन से तत्व नुकसान पहुंचाते हैं? रोज खाने से कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं? इसे बैलेंस्ड मील कैसे बनाएं? इंस्टेंट नूडल्स में क्या होता है? भारत में मिलने वाले ज्यादातर नूडल्स मैदा से बने होते हैं। कुछ पैकेट में इसके साथ सूखी सब्जियां या तला हुआ लहसुन भी होता है। ज्यादातर नूडल्स में बहुत सारा नमक होता है। एक सर्विंग में 600 से 1500एमजी सोडियम हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन अच्छे स्वस्थ के लिए रोज 2000एमजी से कम नमक खाने की सलाह देता है। इसलिए एक सर्विंग में ये मात्रा बहुत ज्यादा है। इसमें फाइबर बहुत कम यानी न के बराबर होता है। फाइबर पाचन के लिए जरूरी है।डॉ. अनु कहती हैं कि इंस्टेंट नूडल्स सुविधाजनक हैं, लेकिन पोषक तत्व नहीं होते हैं। ये स्लो पॉइजन की तरह काम करते हैं अगर रोज खाए जाएं।कभी-कभी खाना भी फायदेमंद तो नहीं पर स्वाद के लिए चल सकता है, लेकिन रोज खाने से समस्या हो सकती है। हफ्ते में दो बार से ज्यादा खाने से महिलाओं में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है। मेटाबॉलिक सिंड्रोम से हार्ट डिजीज, डायबिटीज और दूसरी बीमारियां होती हैं। इसकी वजह, इन्हें बनाने में इस्तेमाल होने वाली चीजें हैं। नूडल्स में मौजूद ढेर सारे सोडियम से ब्लड प्रेशर बढ़ता है, जो हार्ट और किडनी पर दबाव डालता है। भारत में पहले से नमक ज्यादा खाया जाता है, और प्रोसेस्ड फूड इसका बड़ा कारण है। कम फाइबर से कब्ज, आंतों की समस्या और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा। पोषक तत्वों की कमी से शरीर कमजोर होता है, इम्यूनिटी घटती है। वेट गेन भी बड़ी मुश्किल है। ये हाई कैलोरी फूड में आते हैं लेकिन पेट ज्यादा देर नहीं भरते हैं। रिफाइंड कार्ब्स से ब्लड शुगर तेज बढ़ता है, जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस और मोटापा। पाचन बिगड़ता है क्योंकि फाइबर कम, ऐडिटिव्स से ब्लोटिंग या इंडाइजेशन। कुछ स्टडीज में एमएसजी और प्रिजर्वेटिव्स से कैंसर का खतरा भी बताया गया है। हाल की आईसीएमआर स्टडी में कहा गया कि ऐसे प्रोसेस्ड फूड्स से डिप्रेशन, एंग्जाइटी जैसी मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स बढ़ सकती हैं।नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कोरियन कॉलेज स्टूडेंट्स में हफ्ते में 3 बार से ज्यादा नूडल्स खाने से डिस्लिपिडेमिया का खतरा 2.6 गुना बढ़ जाता है। इस कंडीशन में ब्लड में ट्राईग्लिसराइड बढ़ जाते हैं। डॉ. अनु अग्रवाल कहती हैं कि एमएसजी से वजन बढ़ना, ब्लड प्रेशर और ब्रेन पर बुरा असर होता है। जनवरी 2025 की रिपोर्ट में सर्दियों में रेमन नूडल्स पर बात हुई, जहां कहा गया कि एमएसजी,टीबीएचक्यू और सोडियम से हार्ट और पेट की बीमारियां बढ़ती हैं। उत्तर प्रदेश में 2024 में एक 7 साल के बच्चे की मौत नूडल्स से जुड़ी बताई गई, जो सदमा देने वाली है। लेकिन इससे पता चलता है कि ज्यादा खाना कितना खतरनाक है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इंस्टेंट नूडल्स में रिफाइंड कार्ब्स से ब्लड शुगर स्पाइक होता है, जो डायबिटीज का खतरा बढ़ाता है। सैचुरेटेड फैट से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जो धमनियों को ब्लॉक करता है। कम न्यूट्रिएंट्स से कैल्शियम, आयरन, विटामिन सी की कमी हो सकती है। लंबे समय में ये इम्यूनिटी कमजोर करती है और बीमारियां आमंत्रित करती हैं। इंस्टेंट नूडल्स को हेल्दी कैसे बनाएं- अगर आप इन्हें पसंद करते हैं तो पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं। कुछ आसान बदलाव से इन्हें बेहतर बना सकते हैं। सब्जियां मिलाएं- फ्रोजन मटर, पालक, ब्रोकली या गाजर डालें। इससे फाइबर और विटामिन बढ़ेंगे। प्रोटीन ऐड करें- उबला अंडा, टोफू, बीन्स या चिकन। इससे पेट ज्यादा देर भरा रहेगा। फ्लेवर पैकेट कम इस्तेमाल करें। ये नमक का मुख्य स्रोत है। आधा पैकेट यूज करें या लो-सोडियम स्टॉक, लहसुन, अदरक, हर्ब्स या मिर्च मिलाएं। होलग्रेन नूडल्स ट्राई करें- कुछ ब्रांड्स में बकवीट, ब्राउन राइस या मिलेट से बने होते हैं, जो फाइबर ज्यादा देते हैं।

अंकुरित आलू में टॉक्सिक कंपाउंड,खाने से हो सकती हैं 6 हेल्थ प्रॉब्लम्स, जानें आलू को स्टोर करने का सही तरीका

नयी दिल्ली। यूनाइटेड नेशन के फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, आलू दुनियाभर में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जियों में से एक है। ये कई सारे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। लेकिन अगर

आलू अंकुरित हो जाते हैं तो इसे खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अंकुरित आलू वे होते हैं, जिनमें अंकुर यानी 'आंखें' उगने लगती हैं। ये अक्सर तब होता है, जब उन्हें लंबे समय तक स्टोर किया जाता है। अक्सर वे क्लोरोफिल के कारण हरे रंग के हो जाते हैं, जो प्रकाश के संपर्क में आने पर बनता है। नेशनल कैपिटल पॉइजन सेंटर मुताबिक, अंकुरित आलू सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इसमें सोलेनाइन और चाकोनाइन जैसे कुछ टॉक्सिक तत्?व होते हैं। इसकी टॉक्सिसिटी से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जानेंगे कि- सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. पूनम

तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी से साथ ही साथ क्या अंकुरित आलू खाने से किस तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? आलू को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? सवाल- किन वजहों से आलू जल्दी अंकुरित होते हैं? जवाब- आलू जमीन के नीचे उगने वाली सब्जी है, जिसमें नमी और स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है। यही कारण है कि यह जल्दी अंकुरित हो जाता है। गर्म और नमी वाली जगह पर रखे आलू तेजी से अंकुरित होने लगते हैं। इसी तरह जब आलू पर रोशनी पड़ती है तो उनमें क्लोरोफिल बनने लगता है और अंकुर निकल आते हैं। अगर आलू को ऐसी जगह रखा जाए, जहां हवा न मिले तो वे जल्दी पसीज जाते हैं और अंकुरण शुरू हो जाता है। लंबे समय तक रखने पर आलू अपनी नेचुरल प्रोसिजर से भी अंकुरित होने लगते हैं। इसके अलावा प्याज-लहसुन जैसी सब्जियां इथिलीन गैस छोड़ती हैं, जो आलू के अंकुरण को तेज करती हैं। कुल मिलाकर यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। ये अंकुर वास्तव में नए आलू के पौधे होते हैं। सवाल- क्या अंकुरित आलू में न्यूट्रिशन की कमी हो जाती है? जवाब- जब आलू अंकुरित होने शुरू होते हैं तो यह नए अंकुरों के ग्रोथ के लिए अपने न्यूट्रिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इससे आलू की न्यूट्रिशनल वैल्यू में कमी आ सकती है। आलू विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन अंकुरित होने पर इसकी मात्रा कम हो जाती है। अंकुरण की प्रक्रिया में आलू में मौजूद स्टार्च शुगर में परिवर्तित हो जाता है, जिससे उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बढ़ जाता है। इसके अलावा अंकुरित आलू में अन्य विटामिन और मिनरल्स जैसे पोटेशियम, विटामिन बी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा भी कम हो जाती है। सवाल- अंकुरित आलू खाने से कौन सी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- अंकुरित आलू में सोलेनाइन और चाकोनाइन नामक टॉक्सिक ग्लाइकोएल्कलॉइड होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसकी ज्यादा मात्रा से मतली, उल्टी, दस्त

और पेट में ऐंठन हो सकती है। इसलिए अंकुरित आलू खाने से बचना चाहिए। अंकुरित आलू खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कुछ और भी समस्याएं हो सकती हैं।सवाल- अंकुरित आलू खाना किन लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि ताजे आलू की तुलना में अंकुरित आलू ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा देता है। यही कारण है कि डायबिटिक मरीजों को इसे बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा कुछ और लोगों के लिए भी अंकुरित आलू स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक साबित हो सकते हैं। जैसेकि- गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और बुजुर्ग। पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग। न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम वाले मरीज। कमजोर इम्यूनिटी वाले व्यक्ति। एलर्जी से पीड़ित लोग। इन सभी लोगों में अंकुरित आलू से होने वाले सोलनाइन टॉक्सिसिटी का खतरा ज्यादा होता है, जो पेट दर्द, उल्टी, सिरदर्द और चक्कर जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। सवाल- आलू को कैसे स्टोर करें कि वह जल्दी अंकुरित न हो? जवाब- आलू को अंकुरित होने से बचाने के लिए उसे ठंडी, अंधेरी और हवादार जगह पर 45-50°(7-10°f) के बीच स्टोर करें। इन्हें कभी भी फ्रिज में स्टोर न करें क्योंकि ठंडक स्टार्च को शुगर में बदल देती है और आलू का स्वाद मीठा हो जाता है। आलू को प्याज या नमी वाली सब्जियों के पास न रखें। इन्हें जालीदार थैले या पेपर बैग में रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। आलू को ज्यादा समय तक न रखें, समय-समय पर खराब या अंकुरित आलू को अलग करते रहें। इसके अलावा कुछ और बातों का ख्याल रखें।सवाल- अंकुरित आलू को फेंकने की बजाय और किस काम में लाया जा सकता है? जवाब- खाने या फेंकने की बजाय अंकुरित आलू का उपयोग कई अन्य कामों में किया जा सकता है। जैसेकि- अंकुरित आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर कंपोस्ट बिन में डाल दें। सड़ने के बाद यह मिट्टी में पोषक तत्व बढ़ाकर पौधों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अंकुरित आलू को पीसकर उसका रस पौधों पर छिड़कें। यह एक नेचुरल पेस्टिसाइड की तरह काम करता है और छोटे कीड़ों को दूर रखने में मदद करता है। आलू का रस स्किन पर लगाने से टैनिंग और डार्क स्पॉट्स कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अंकुरित आलू को गमले या खेत की मिट्टी में लगा सकते हैं। इससे नए आलू के पौधे उग जाते हैं।

बांग्लादेश आईपीएल बैन पर समीक्षा करेगा,खेल मंत्री बोले-स्थिति को समझने के बाद इस पर फैसला लेंगे, सुरक्षा रिपोर्ट के बाद पीएसएल पर भी निर्णय

नयी दिल्ली। बांग्लादेश में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्रसारण पर लगे बैन की समीक्षा

जल्द हो सकती है। युवा एवं खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने क्रिकबज'से बातचीत में कहा कि वे इस बात की भी जांच करेंगे कि दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग आईपीएल के प्रसारण पर बांग्लादेश में बैन क्यों लगाया गया है। वे स्थिति को समझने के बाद इस पर दोबारा फैसला लेंगे। वहीं, सुरक्षा चिंताओं के आधार पर खिलाड़ियों के पीएसएल में खेलने पर भी अंतिम फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की रिपोर्ट के बाद ही लिया जाएगा। खेल और राजनीति को मिक्स नहीं करेंगे-अमीनुल हक-प्रोफेसर यूनुस के नेतृत्व वाली पिछली अंतरिम सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लिया था। इसके साथ ही बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण पर भी रोक लगा दी गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला उस विवाद के बाद लिया गया था, जब कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर रहमान को हटाया गया था।हालांकि, मौजूदा युवा एवं खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ बेहतर और दोस्ताना संबंध चाहता है। अमीनुल हक ने बताया कि ईद की छुट्टियों के बाद क्रिकेट बोर्ड के साथ बैठक की जाएगी, जिसमें छ्झ्ट पर लगे बैन के कारणों की समीक्षा होगी और आगे का फैसला लिया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि खेल का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए और दोनों देशों के बीच खेल संबंध सामान्य रहने चाहिए।खेल मंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों को पाकिस्तान भेजने से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को सरकार से अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा,'अगर सुरक्षा को लेकर कोई खतरा है, तो हमारे खिलाड़ी निश्चित रूप से नहीं जाएंगे। पहले बोर्ड हमें इस बारे में जानकारी देगा, फिर हम अपनी नेशनल एजेंसियों की जांच के आधार पर आधिकारिक फैसला लेंगे।' पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को ही घोषणा की है कि वेस्ट एशिया में जारी संघर्ष के कारण पीसीएल 2026 के मैचों को केवल लाहौर और कराची तक सीमित कर दिया गया है। साथ ही, ये सभी मैच 'बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स' यानी बिना दर्शकों के खेले जाएंगे। कई देशों ने अपने खिलाड़ियों के लिए ट्रेवल एडवाइजरी भी जारी की है। इस पर अमीनुल ने कहा,'अगर बीसीबी हमें भरोसा दिलाता है कि कोई समस्या नहीं है, तो हमें कोई दिक्कत नहीं है। हम खेल को रोकना नहीं चाहते, लेकिन सुरक्षा सर्वोपरि है।'बांग्लादेश के 6 प्रमुख खिलाड़ियों को पहले ही बोर्ड से एनओसी मिल चुका है। इनमें मुस्तफिजुर रहमान और परवेज हुसैन इमोन (लाहौर कलंदर्स), शोरफुल इस्लाम, नाहिद राणा, तंजीद हसन तमीम और रिशाद हुसैन (पेशावर जाल्मी) शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 26 मार्च से 3 मई तक होना है। अब इन खिलाड़ियों का भविष्य सरकार के अंतिम फैसले पर टिका है।

माइक्रो लर्निंग एप्स उपयोगी हैं, किन्तु ज्ञान का विकल्प नहीं

इस हफ्ते मैं ट्रेन से, मध्यप्रदेश के बीना में बीपीसीएल फैक्ट्री विजिट पर गया था। मेरे सामने वाली सीट पर एक पेशेवर युवा बैठा था, पहले कुछ घंटे वह कुछ ज्यादा नहीं बोला। उसने मुस्कराकर अभिवादन किया और मैंने भी वैसे ही जवाब दिया। वह 'डूम स्क्रॉलिंग' में व्यस्त था, जिसका मतलब वह अपने फोन पर अंतहीन ऑनलाइन कंटेंट स्क्रॉल किए जा रहा था। मैंने भी अपने ज्ञान को ताजा करने के लिए एक पुरानी किताब फिर से पढ़नी शुरू की। पुरानी किताब- सर जॉन विटमोर की कोचिंग फॉर परफॉर्मेंस- का जाहिराना तौर पर रंग फीका पड़ गया था। अचानक उसने मेरी ओर देखा और कहा 'सर, क्या यह वही 'ग्रो मॉडल' है, जो कोचिंग के लिए महत्वपूर्ण टूल जैसा है और बातचीत एवं विकास को आसान बनाने के लिए एक स्ट्रक्चर्ड अप्रोच मुहैया कराता है?' मैंने किताब बंद की और अचम्भे से उसकी ओर देखा। मैंने खुद से कहा 'वाह, इतनी छोटी उम्र में इसने बहुत पढ़ा है।' इस विचार के चलते मेरी उस युवा में उत्सुकता जागी और मैंने कहा, 'आपने कब ये पुस्तक पढ़ी? दरअसल, मैंने इस पुस्तक को दो दशक पहले खरीदा था।' उसने तपाक से कहा 'आप इस पुस्तक का चौथा संस्करण पढ़ रहे हो। मैंने इसके

छठे संस्करण के कुछ चुनिंदा समरी प्वाइंट पढ़े हैं।' और उसने अपने मोबाइल में दिखाते हुए पुस्तक के छठे संस्करण में जोड़े नए कॉन्सेप्ट को दोहराया। उसने इसी यात्रा में माइक्रो लर्निंग एप पर सर्फिंग करते हुए इस पुस्तक के बारे में जानकारी हासिल की थी। तब मुझे एहसास हुआ कि उसके जैसे कई लोग खुद में सुधार की लहर पर सवार हैं, एक नया वर्ग उन माइक्रो लर्निंग एप से सीखता है, जो किताब का निवालाभर सारांश देकर 15 मिनट में किसी को स्मार्ट बनाने का दावा करते हैं। मैंने कहा, 'निश्चित ही ये मात्रात्मक तौर पर अधिक जानकारी लेने का बढ़िया तरीका हो, किंतु गुणवत्ता के संदर्भ में नहीं।' और बिना किसी बहस के उसने भी पर सहमति दी। उसने प्रतिउत्तर में कहा, 'आपकी पीढ़ी को छोड़कर कोई भी गहरे ज्ञान में रुचि नहीं रखता और ये माइक्रो लर्निंग एप कम से कम हमें बोर्ड मीटिंग जैसे नाजुक मौकों से पार पाने में मदद करते हैं, जहां किसी को भी ज्ञान का प्रदर्शन करना होता है। ये एप पूरी किताब पढ़ने से पहले उपयोगी प्रीव्यू देते हैं।' और वो तर्क में सही था। एमएनसी में काम करने वाले व्यस्त एग्जीक्यूटिव को 260 पन्नों की भारी भरकम किताब क्यों पढ़नी चाहिए, जिसे मैं पढ़ रहा था? वो जो कर रहा था, उसमें स्मार्ट था। धीरे-धीरे हम एक दूसरे के बारे में और जानने लगे। वह किताब के बारे में मेरी बातों को पूरे ध्यान से सुनने लगा। लेकिन जब मैंने उससे पूछा कि 'अगर तुम्हें समरी रुचिकर लगती है तो क्या वास्तव में तुम किताब खरीदकर विषय को और गहराई से समझना चाहते हो? यहां पर उसने शर्माते हुए स्वीकार किया कि 'नहीं, मैं ऐसा नहीं करता।' यहीं पर मुझे लगा कि माइक्रो लर्निंग एप में कोई बात तो है। जब आपके पास ध्यान देने के लिए महज 3-4 मिनट ही हों, ऐसे में ये आपको अधिक उपलब्धि का अहसास करा सकता है। यदि कंटेंट सही से गढ़ा हो, तो यह एक समय पर दिमाग में बहुत अधिक सूचनाएं आने से पड़ने वाले भार को भी कम कर सकता है। खासकर उस युवा जैसे व्यस्त एग्जीक्यूटिव्स को त्वरित उपलब्धि का अहसास भी कराता है, जो देखकर, सुनकर व तार्किक तरीके से सूचनाओं को ग्रहण करना पसंद करते हैं। एप्लाइड साइकोलॉजी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट विभाग के प्रोफेसर्स कहते हैं कि तात्कालिक उपयोग के लिए माइक्रो लर्निंग एप अच्छे हैं।ये साबित हुआ है कि किसी एक विषय पर एक किताब के सारांश से दूसरे पर कूदने की तुलना में लंबे समय का अध्ययन अधिक समग्रता वाली समझ व ज्ञान विकसित करता है। यह आपको तत्काल बौद्धिक समृद्धता का अहसास कराता है। लेकिन इन प्रोफेसरों का कहना है कि 'विशेषतः जो लोग लंबे समय तक ढेर सारे एप का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें जरूरत के वक्त महत्वपूर्ण सूचना की कमी का अहसास होता है। फंडा यह है कि माइक्रो लर्निंग एप्स उपयोगी हैं, लेकिन तभी, जब उन्हें ज्ञान के विकल्प के बजाय ज्ञान में सहायक के तौर पर उपयोग किया जाए।

ट्रम्प-मस्क विवाद से नेता-पूंजीपति समीकरण भी बदले

संसदीय लोकतंत्र के बहुत से आलोचक इसे बूर्ज्वा या पूंजीवादी लोकतंत्र भी कहते हैं। उनकी दलील है कि इस लोकतंत्र में ऊपर से देखने पर तो चुने हुए प्रतिनिधियों की सरकार काम करते हुए दिखती है, पर दरअसल इसके संचालन की बागडोर पृष्ठभूमि में बैठे बड़े-बड़े कॉर्पोरेट घरानों के हाथ में रहती है। कॉर्पोरेट पूंजी सामने से नहीं दिखती। मंच पर खड़े होकर वोटों के लिए जनता की गोलबंदी अरबपति नहीं करते, और न ही वे संविधान की शपथ लेकर सरकार चलाते हैं। लेकिन, अब लगने लगा है कि सैकड़ों वर्ष से चल रहा यह सिलसिला कभी भी टूट सकता है। अगर ट्रम्प और मस्क के बीच चल रहा सार्वजनिक विवाद किसी नेता और पूंजीपति के बीच का होता, तो शायद समस्या इस तरह की नहीं होती। लेकिन यह झगड़ा दो अरबपतियों के बीच का है। ट्रम्प एक पारम्परिक नेता न होकर 5 अरब डालर के मालिक हैं, जो उन्होंने राजनीति में आने से पहले भवन-निर्माण के व्यवसाय से कमाए हैं। और मस्क की ख्याति तो दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की है ही। अभी कुछ दिन पहले ही ये दोनों मिलकर अमेरिकी सत्ता पर काबिज थे। आज एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। दुनिया भर के राजनेता और पूंजीपति इस जोड़ी को तब से परख रहे हैं, जब से उन्होंने जुगलबंदी शुरू की थी। जैसे ही मस्क ने ट्रम्प का खुलकर प्रचार शुरू किया और उनकी मुहिम में 25 करोड़ डालर का अनुदान दिया, वैसे ही स्पष्ट हो गया कि अगर ट्रम्प दूसरी बार जीते तो लोकतंत्र के एक नए मॉडल का प्रयोग शुरू हो जाएगा। अगर यह प्रयोग सफल रहा तो पहली बार साबित हो जाएगा कि राजनेताओं के जरिए सत्ता का लाभ उठाने वाला पूंजीपति अगर चाहे तो खुद भी सत्ता का प्रत्यक्ष मालिक बन सकता है। अकेले न भी सही, तो दो-तीन महत्वाकांक्षी पूंजीपति लोकतांत्रिक तौर-तरीकों का इस्तेमाल करके योजनाबद्ध तरीके से मुहिम चला कर कुर्सी हासिल कर ही सकते हैं। ओटीटी पर प्रदर्शित लोकप्रिय अमेरिकी सीरीज 'बिलियंस' के दर्शकों को उसका वह पात्र याद ही होगा, जो अपनी धनशक्ति के दम पर राष्ट्रपति पद का

गयाथा। वह काल्पनिक पात्र जो नहीं कर पाया वह ट्रम्प और मस्क ने मिलकर कर दिखाया। इसीलिए उनके इस झगड़े से दुनिया के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट चीफ परेशान हैं। शायद वे इस मॉडल को इतनी जल्दी खत्म होते नहीं देखना चाहते। बहरहाल, मामला इतना सरल नहीं है। ट्रम्प-मस्क मॉडल के पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक खास तरह की समझ काम कर रही है। यह मॉडल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के तहत पनपने वाले सामाजिक और व्यक्तिगत अस्तित्व को आर्थिक प्रक्रिया में घटाने पर टिका है। ट्रम्प मानते हैं कि अगर वे डॉलर बचाकर अमेरिकी करदाता द्वारा किए गए टैक्स भुगतान का बड़ा हिस्सा वापिस कर पाए और अंततः इस प्रक्रिया को चरम पर पहुंचाकर अमेरिका से इनकम टैक्स ही खत्म करने में कामयाब हो गए तो न केवल अमेरिका फिर से ग्रेट हो जाएगा, बल्कि स्वयं वे हमेशा-हमेशा के लिए वोटरों के चहेते बन जाएंगे। मस्क को वे अपनी इस महत्वाकांक्षा पूरी करने के एक सक्षम औजार की तरह देखते थे। लेकिन मस्क के भीतर भी महत्वाकांक्षाएं हैं। वे धन के साथ स्पेस-रोबोटिक्स-संचार टेक्नॉलॉजी को जोड़कर तैयार किए फॉर्मूले के दम पर जनता का दिल जीतना चाहते हैं। उन्हें अपनी अलग पार्टी बना कर राजनीतिक दावेदारी करने से भी परहेज नहीं है। कहना न होगा कि भारत का पूंजीपति वर्ग अमेरिका से अलग तरह का है। वह आज भी पृष्ठभूमि में रह कर सरकारी नीतियों का लाभ उठाने में यकीन करता है। इसीलिए आज तक शायद ही किसी पूंजीपति को सर्वोच्च नेता या सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ बोलते देखा गया है। भारत के कॉर्पोरेट घरानों की राजनीतिक महत्वाकांक्षा राज्यसभा की सदस्यता हासिल करने तक ही सीमित रही है। ट्रम्प-मस्क मॉडल की सफलता या विफलता का असर दुनिया के दूसरे हिस्सों के महत्वाकांक्षी पूंजीपतियों के लिए एक टेम्प्लेट जरूर मुहैया कराता है। यह राजनीति पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण करने के बजाय उसे हड़पने का मॉडल है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

देश आने वाले कल की नई कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है

कृषि क्षेत्र करोड़ों लोगों को आजीविका देता है। साथ ही, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का प्रमुख आधार भी है। ऐसे में राष्ट्र की प्रगति के लिए हमारे किसान भाइयों-बहनों की उन्नति आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कृषि और किसान कल्याण को नीति-निर्माण की सर्वोच्च प्राथमिकता में स्थान दिया है। किसानों की मेहनत को उचित सम्मान मिले, उनकी फसल को सही दाम मिले और उनका जीवन खुशहाली से भरा हो, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। बीते दशक में केंद्र सरकार ने किसान कल्याण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जिनसे न केवल किसानों की आय बढ़ी, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। चाहे न्यूनतम समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि हो, फसलों की खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो या तकनीकी नवाचारों के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने का प्रयास; सरकार ने हर क्षेत्र में किसानों के लिए दिन-रात काम किया है। किसान हितैषी नीतियों, तकनीकी के उपयोग, नवाचार और बाजार तक सुगम पहुंच के माध्यम से भारत टिकाऊ, समावेशी और भविष्य-उन्मुख कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पहले के समय में हमारे किसान फसल लागत से नाममात्र का लाभ कमा पाते थे, पर प्रधानमंत्री ने स्पष्ट नीति बनाई कि हर फसल पर उसकी लागत से ऊपर, कम से कम 50% मुनाफा सुनिश्चित होगा। आज खरीफ व रबी की प्रमुख फसलों के एमएसपी में 1.8 से 3.3 गुना तक की वृद्धि की गई है। इससे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिलना सुनिश्चित हुआ है। 2004-14 के मुकाबले 2014-2025 के दौरान एमएसपी पर खरीदी गई फसलों की मात्रा और भुगतान में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। सरकार ने केवल एमएसपी बढ़ाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि यह लाभ सीधे किसानों के खाते में पहुंचे। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हमने पारदर्शिता और गति के साथ किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम दिलाया है। यह एक ऐसी कृषि क्रांति है, जो हमारे किसान भाइयों-बहनों का जीवन व खेती की दशा-दिशा बदल रही है। अब किसान निश्चिंत होकर खेती करता है, क्योंकि उसे पता है कि उसकी फसल का उचित मूल्य व समय पर भुगतान सुनिश्चित मिलना है। आज केंद्र सरकार बीज से बाजार तक, हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को अपनी मिट्टी की सेहत जानने और सही फसल चुनने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा दे रही है। ई-नाम के जरिए डिजिटल बाजार से जुड़कर किसानों को बेहतर दाम मिल रहा है। ड्रोन और स्मार्ट सिंचाई तकनीक खेती को आसान और आधुनिक बना रहे हैं। इसके साथ ही, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और कृषि यंत्रों पर अनुदान के माध्यम से हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का हरसंभव प्रयास किया है। सरकार ने किसानों को ब्याज सहायता के तहत किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 3 लाख रुपए तक का अल्पकालिक ऋण 7फीसदी ब्याज पर उपलब्ध कराया है। यह समय से चुकाने पर 3फीसदी अतिरिक्त छूट मिलती है, जिससे प्रभावी ब्याज दर 4फीसदी रह जाती है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं, जिससे किसानों को सस्ता व सुलभ ऋण मिल रहा है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ई-नाम, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रों पर अनुदान आदि के माध्यम से खेती को आधुनिक-टिकाऊ बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत मूल्य समर्थन योजना, मूल्य न्यूनता भुगतान योजना, बाजार हस्तक्षेप योजना और मूल्य स्थिरीकरण निधि को लागू किया गया है। मूल्य स्थिरीकरण निधि के तहत दलहन, तिलहन व कोपरा की एमएसपी पर खरीद सीधे किसानों से की जाती है। 2024-25 में सोयाबीन की 19.97 लाख मीट्रिक टन व मूंगफली की 17.73 लाख मीट्रिक टन खरीद की गई, जो अब तक की सबसे अधिक है। तकनीकी नवाचारों के साथ ये पहलें किसानों को आत्मनिर्भर, समृद्ध व खुशहाल बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं) (शिवराज सिंह चौहान)

हालात पहले से बेहतर पर हमें अभी और आगे बढ़ना है

मुल्क का वजूद उसके पुरुषार्थ-संकल्प से बनता है। न भूलें, बमुश्किल एक दशक पहले की हकीकत। अंग्रेजों का छोड़ा श्रेष्ठ डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर यहां था। पुरानी 41 ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां थीं। रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक 51 कंपनियां। फिर भी जवानों के पास बुलेटप्रूफ जैकेट और नाइट विजन ग्लासेस नहीं थे।कैग की टिप्पणी थी, वायु, रक्षा व आर्टिलरी के पास अति-आवश्यक हथियारों की कमी है। हथियार खरीदने (थल सेना) को 1500-2000 करोड़ ही बचते थे। रक्षा संसदीय समिति (2012, अप्रैल) ने स्वीकारा कि हथियारों की क्रिटिकल स्थिति है। कमेटी (2012-13) स्तब्ध थी कि नई खरीद के लिए बजट में लगभग 5520 करोड़ ही थे। रक्षा मंत्री (फरवरी 2014) का बयान था- नो मनी, मेजर डील्स विल हैव टु वेट। आजादी की 66वीं वर्षगांठ पर केरन-सांबा क्षेत्र में पाकिस्तानी घुसे। भारतीय जवानों की हत्या कर कुछेक का सिर काट ले गए। रक्षा मंत्री ने संसद में गलत सूचना के लिए माफी मांगी। खबर दबाई गई। अमेरिकी आदेश पर भारतीय प्रधानमंत्री पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से मिल रहे थे।वॉशिंगटन में। प्रधानमंत्री ने ओबामा से शिकायत की। नवाज शरीफ ने इसे 'देहाती औरत का रिरियाना' कहा। फिर पाक ने खंडन किया। इसके पहले के हालात (मुंबई ब्लास्ट वगैरह) समझने के लिए शिवशंकर मेनन की किताब है- 'चॉइसेस'। आज दुनिया ने (ऑपरेशन सिंदूर) में उसी भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत देखी। संसार की हथियार लॉबी, भारत के रक्षा कवच, इंटिग्रेटेड एयर कमान व

कंट्रोल सिस्टम देख हतप्रभ है। पाकिस्तान के हर घातक प्रहार को नाकाम करने वाली भारतीय स्वदेशी सुरक्षा तकनीक उन्होंने देखी। इसे विकसित किया है, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बेल) ने। इसी बेल की ईजाद अक्षयतलीय एयरडिफेंस कंट्रोल सिस्टम है। यह है भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा-क्षमता व सामर्थ्य। 686 (2013-14) करोड़ रुपए के हथियार बेचने वाले भारत का आज रक्षा निर्यात 23622 करोड़ रुपए है। 2029 तक रक्षा निर्यात लक्ष्य 50000 करोड़ है। आज भारत कहां पहुंचा? ताजा रिपोर्ट (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था। भारत की जीडीपी अब 4.19 ट्रिलियन डॉलर है। 1971 में भारत व पाकिस्तान की जीडीपी में फर्क 57 अरब डॉलर था। आज 3.5 ट्रिलियन डॉलर है। पाकिस्तान पर 280 अरब डॉलर कर्ज है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय वायुसेना, अमेरिकन गोल्डन डोम व इजराइल के आयरन डोम से श्रेष्ठ रक्षा कवच विकसित करने में जुटी है। पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ स्वदेशी लड़ाकू विमान यहां बनने की घोषणा हुई है। हथियारों के प्रोडक्शन से आगे डिजाइन व डेवलपमेंट पर भारत कदम बढ़ा रहा है। जरूरत है कि हम अपने कामकाज की संस्कृति अव्वल बनाएं। वायुसेना चीफ की चिंता कि रक्षा प्रोजेक्ट समय से पूरे हों, वाजिब हैं। सेना, नौसेना, वायु सेना, अन्य एजेंसियां, इंडस्ट्री व डीआरडीओ एक बड़ी चेन की कड़ियां हैं। इनमें श्रेष्ठ समन्वय आज की जरूरत है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

देख है कि निजी लाभ के लिए जयचंदों, मीर जाफरों, जगत सेठों वगैरह की संस्कृति यहां रही है। आज ज्योति मल्होत्रा, देवेंद्र सिंह व अरमानों की फौज मुल्क को कमजोर करने में लगी है। ब्रिटिश इतिहासकार जे.आर. सिली (1834-1895) की किताब है- 'द एक्सपांशन ऑफ इंग्लैंड'। उसमें लिखा है कि 'हमने (यानी अंग्रेजों ने) भारत को नहीं जीता, खुद भारतीयों ने ही देश को हमारी तश्तरी में रख दिया।' चौधरी चरण सिंह ने सिली की इस पुस्तक का अनुवाद बंटवाया था, ताकि हमारा राष्ट्रीय चरित्र निखरे। हम खुद का आत्मविश्लेषण करें। यह राष्ट्रीय चरित्र ही इतिहास लिखता है। भारत का स्वर्णिम इतिहास चरित्रवान, संकल्पवान व दूरदृष्टि वालों ने ही बनाया था। देश के वायुसेना प्रमुख की यह चिंता कि रक्षा प्रोजेक्ट समय से पूरे हों, पूरी तरह से वाजिब है। सेना, नौसेना, वायु सेना, अन्य एजेंसियां, इंडस्ट्री व डीआरडीओ एक बड़ी चेन की कड़ियां हैं। इनमें श्रेष्ठ समन्वय आज की जरूरत है। राष्ट्रीय चरित्र व प्रतिबद्धता से ही प्रभावी कार्यसंस्कृति बनेगी। अतीत ने वक्त की जरूरत है।

क्या हम अब दो मोर्चों पर संघर्ष कर रहे हैं?

इतिहास हर एक जंग को एक नाम दे देता है। आधिकारिक तौर पर तो हाल के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विराम हो गया था, मगर लड़ाई 87 घंटे तक चली। भावी पीढ़ियों के लिए क्या इसे '87 घंटे की जंग' कहा जा सकता है? वैसे, मैं हैशटैग लायक कोई तीखा नाम देने की जगह विवरण देना चाहूंगा। जो कुछ हमने देखा, उसे दो मोर्चों पर जंग की शुरुआती चाल कहा जा सकता है। इसे आप ट्रेलर कह सकते हैं। ये चतुराई, धैर्य और सैन्य-ताकत के बूते चलने वाले लंबे युद्ध की पहली चालें हैं। चूंकि, पाकिस्तान ने इसकी शुरुआत की और वह पहलगाम में चीनी साजो-सामान, टेक्नोलॉजी और निर्देशन में लड़ा, इसलिए मैं कहूंगा कि वह सफेद मोहरों से खेल रहा था और चूंकि पहली चाल सफेद मोहरों वाला खिलाड़ी चलता है, इसलिए इस चाल को वह नाम दिया जा सकता है, जिसे शतरंज की भाषा में पहले पीके4 नाम दिया गया था और अब ई4 नाम दिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि प्यादे को बादशाह के सामने दो घर दूर लाकर खड़ा कर दिया गया और प्रतिद्वंद्वी को इस चाल का जवाब देने के लिए निमंत्रित किया गया। इस चाल के जवाब में विदेशी नामों वाली कई तरह की रणनीति अपनाई जा सकती है, मसलन : इटालियन गेम, स्कॉच गेम या रुई लोपेज। मुझे जो नाम ज्यादा उपयुक्त लगता है, वह है 'किंग्स गैंबिट' (बादशाह का दांव) क्योंकि यह रणनीति ज्यादा आक्रामक है और इसमें कई तरह की चालें चली जा सकती हैं। पाकिस्तान और चीन मिलकर यह खेल खेल रहे हैं और उन्होंने एक प्यादे को आगे बढ़ा दिया है। किंग और क्वीन की ताकत के साथ प्यादा पाकिस्तान ठीक सामने आ खड़ा हुआ है, बादशाह के घुड़सवार और काउंसेल यानी चीन नेपथ्य में हैं। वह अब भारत की चाल का इंतजार कर रहे हैं। आत्म-संतोष कोई रणनीति नहीं हो सकती। समय बीत रहा है। तमाम तरह की खबरें बता रही हैं कि सेना ने भी 'रेड टीम' गठित कर ली है, जिसमें तेजतर्रार अधिकारियों के एक समूह को दुश्मन की तरह सोचने और जवाबी कार्रवाई करने का काम सौंपा जाता है। 'रेड टीम' की तरह सोचिए, अगली चाल क्या हो सकती है। हमारी सोच का बुनियादी आधार यह है कि हम दो मोर्चों पर लड़ने की दुविधा को लेकर सोच-विचार तो करते रहे हैं, लेकिन कभी यह नहीं सोचा कि एक ही समय दो मोर्चों पर लड़ना पड़ सकता है। 1962 में पाकिस्तान अलग रहा, पर बिना शर्त नहीं। उसने कश्मीर पर बात करने की मांग रखी, जो अमेरिका-ब्रिटेन के दबाव में शुरू भी हुई। 1965 और 1971 में और कारगिल के बाद चीन अधिकतर अलग ही रहा है, लेकिन अब प्यादे को जिस तरह बादशाह के सामने दो घर दूर लाकर खड़ा किया गया है, उससे मामला बदल गया है। दो मोर्चों पर लड़ाई जारी है, सिवाय इसके कि चीन सीधी लड़ाई लड़ने की जरूरत नहीं महसूस कर रहा है। उसे पाकिस्तान के रूप में एक योग्य और अनुकूल 'प्रॉक्सी' (एवजी) मिल गया है। वह इसे एक साल के अंदर कुछ खास, मसलन 5वीं जनरेशन के लड़ाकू विमानों के मामलों में भारत से आगे निकलने नहीं तो कम-से-कम बराबरी करने के लिए आधुनिक साजो-सामान बेचता रहेगा। उसके उपग्रह और दूसरे 'आईएसआर' (खुफियागिरी, निगरानी, टोही) संसाधन उसके आश्रित को उपलब्ध रहेंगे और मौके पर सलाह तो फौरन मिलती रहेगी ही। पाकिस्तान की ओर से अगली उकसाऊ कार्रवाई में हमेशा की तरह पांच-छह साल नहीं लगेंगे। यह इससे पहले ही की जाएगी, जनाब फील्ड मार्शल अपनी सियासी पूंजी गंवा दें इससे पहले। तार्किक रूप से 'रेड टीम' इस नतीजे पर पहुंच सकती है कि चीन को अब भारत से सीधी लड़ाई करने की जरूरत नहीं है। उसे सिर्फ पाकिस्तान को इतना कुछ देते रहना है कि वह उसकी ओर से लड़ता रहे। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में कोई भी रिपोर्ट पढ़िए, एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संकेत उभरता नजर आएगा। इस पूरे संघर्ष में आपने किसी अमेरिकी हथियार के इस्तेमाल की खबर नहीं पढ़ी होगी, एफ-16 विमानों के इस्तेमाल की भी नहीं। पूर्व चेतावनी और कंट्रोल सिस्टम से लैस स्वीडन के विमान चीनी इलेक्ट्रॉनिक्स से लदे हुए हैं। सो, इसे आप चीन बनाम भारत संघर्ष के रूप में देखें, जिसमें मोर्चे पर पाकिस्तानी सेना तैनात थी। दशकों से हम यही जानते रहे हैं कि चीन हमें दबाने के लिए पाकिस्तान का सस्ते में इस्तेमाल करता रहा है। यह रणनीति अब दो कदम आगे बढ़ चुकी है। पहला कदम यह था कि चीन पूर्वी लद्दाख तक आ धमका और हमने जो सेना पाकिस्तान के लिए रखी थी, उसके एक बड़े हिस्से को उसने वहां बांध दिया। दूसरा कदम पाकिस्तान की ओर से सीधी सैन्य चुनौती के रूप में उठाया गया। भारत ने जब इस 'पीके4' या 'ई4' वाली शतरंजी चाल का आक्रामक जवाब दिया तो दोनों पार्टनर पीछे हट गए। जैसा कि सीडीएस अनिल चौहान ने पुणे में दिए एक लेक्चर में कहा, उन दोनों ने सोचा होगा कि 9/10 मई की रात में उन्होंने रॉकेटों/मिसाइलों से जो हमले शुरू किए, वह भारत को घुटने टेकने पर मजबूर कर देंगे। यह दांव जब नाकाम रहा, उनके सभी रॉकेटों/मिसाइलों को मार गिराया गया और भारत की ओर से विध्वंसक जवाब ने पीएएफ को धूल चटा दी और उसके अड्डे तहस-नहस कर दिए, तब बुद्धिमानी संघर्ष विराम करने में ही थी। उनकी 'रेड टीम' अब सोच रही होगी कि अगले मुकाबले के लिए किस तरह तैयारी की जाए। अब उन्हें इन बातों के कारण चिंता होगी : भारत का बहुस्तरीय एयर डिफेंस, जिसकी अगुआई पीएएफ की मिसाइलों की पहुंच से काफी दूर एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइलें करती हैं; चीनी एचक्यू-9 समेत उनकी अपनी एयर डिफेंस की कमजोरी और एंटी-रेडिएशन ड्रोनों के इस्तेमाल से उनकी मिसाइलों को नाकाम या नष्ट करने की भारत की क्षमता। निश्चित मानिए कि चीन और पाकिस्तान मिलकर इन खामियों को दूर करने की जुगत भिड़ा रहे होंगे! कह सकते हैं कि पाक अब चीन की पश्चिमी कमांड है ... चीन पाकिस्तान को अब अपने पश्चिमी थिएटर कमांड के रूप में देखता है। मैं तो यहां तक कहना चाहूंगा कि चीनी सेना पीएलए पाकिस्तान को अपने सबसे नए, छठे थिएटर कमांड के रूप में देखेगी। इसे भारत को उलझाए रखना होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

विवादों में घिरे यूट्यूब से जुड़े 5 पहलुओं की समझ जरूरी

चीनी उत्पादों के वर्चस्व पर चिंता के बीच सीसीटीवी कंपनियों से जासूसी रोकने के लिए कंपनियों को कैमरे का हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, सोर्स कोड सरकारी लैब में जांच के लिए देना पड़ सकता है। सूचना, संचार और मीडिया में अमेरिकी डिजिटल कंपनियों का कब्जा भी बेहद चिंताजनक है। इसी परिप्रेक्ष्य में विवादों में घिरे यूट्यूब से जुड़े 5 पहलुओं की समझ जरूरी है। विदेशी कंपनी : भारत में 49 करोड़ यूजर्स वाले यूट्यूब ने 2022-2024 में कंटेंट क्रिएटर्स को 21000 करोड़ रु. से ज्यादा का भुगतान किया। यह प्रिंट या टीवी मीडिया के किसी भी ग्रुप की कुल आमदनी से कई गुना ज्यादा है। केंद्र सरकार के नए नियम के अनुसार विदेशी फंडिंग लेने वाले एनजीओ अखबार नहीं छाप सकते। लेकिन भारत में सबसे बड़ा मीडिया साम्राज्य स्थापित करने वाले यूट्यूब का टीवी या अखबार जैसा कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। उपभोक्ता अदालत के फैसले के खिलाफ वॉट्सएप ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील में कहा कि भारतीय अदालतों का अमेरिकी कंपनी पर क्षेत्राधिकार नहीं है। यूट्यूब भी अमेरिकी कानून से संचालित होकर भारत की पुलिस और अदालतों के क्षेत्राधिकार से बाहर रहने की कोशिश करता है। जासूसी : 4 यूट्यूब चैनलों में 41 करोड़ सब्स्क्राइबर्स वाले अमेरिका के मिस्टर बीस्ट के पास टॉम क्रूज और शाहरुख खान से ज्यादा संपत्ति है। यूट्यूब से कमाई को देखकर भारत में भी रील बनाने वालों की बाढ़ आई है। भारत में 15000 यूट्यूब चैनल ऐसे हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 10 लाख से ज्यादा सब्स्क्राइबर्स हैं। मुनाफे की अंधी दौड़ में इनमें से अनेक आपराधिक और देश-विरोधी गतिविधियों में भी लिप्त रहते हैं। शेयर मार्केट में इन्फ्लुएंसर्स से बढ़ रहे फ्रॉड और फर्जी कंटेंट को रोकने के लिए सेबी ने अनेक निर्देश जारी किए हैं। दिल्ली पुलिस, मेट्रो और रेलवे ने रील बनाने के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किए हैं। गिरफ्तार यूट्यूबर्स की जासूसी से जुड़े मुकदमों में सरकार को अदालत में यह साबित करने में मुश्किल हो सकती है कि सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी को विदेश में साझा करने से किस कानून का उल्लंघन हुआ है? कॉपीराइट : कंटेंट आईडी टूल के माध्यम से कॉपीराइट उल्लंघन का पता चलने पर तीन स्ट्राइक के बाद यूट्यूब खाते पर रोक लग सकती है। एएनआई के साथ विवाद पर यूट्यूबर्स के तीन तर्क हैं। कॉपीराइट कानून में फेयर यूज के अनुसार कम समय की वीडियो क्लिपिंग का इस्तेमाल हो सकता है। दूसरा, कॉपीराइट के उल्लंघन के मामले में एएनआई उस वीडियो की आमदनी पर दावा कर सकती है। तीसरा, यूट्यूब चैनल पर मनमाने तरीके से रोक लगाना अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है। अमेरिका में कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में यूट्यूब चैनल को ब्लॉक नहीं किया जाता। यह भी समझना जरूरी है कि गूगल और सोशल मीडिया कंपनियों के सारे एआई प्लेटफॉर्म भारत में जनता और सरकार के डेटा का गैर-कानूनी तरीके से व्यावसायिक इस्तेमाल करके कॉपीराइट कानून को धता बता रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर यूट्यूब से हो रही आमदनी में भारत के पब्लिशर्स और सरकार के साथ टेक कंपनियों की रेवेन्यू शेयरिंग क्यों नहीं होनी चाहिए? टैक्स चोरी : साल 2016 में गूगल इंडिया ने भारत में नंबर एक कंपनी का दर्जा हासिल करने के लिए 4.29 लाख करोड़ की आमदनी का आंकड़ा दिया था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के हलफनामे के अनुसार गूगल इंडिया 5904 करोड़ की आमदनी पर ही टैक्स देती थी। विवाद बढ़ने के बाद गूगल ने अगले साल से रैंकिंग वाली कम्पनियों के चार्ट में आमदनी के आंकड़े देना बंद कर दिया। गौरतलब है कि ग्राहक फीस और विज्ञापन के अलावा भारत के 50 करोड़ लोगों के डेटा के कारोबार से अरबों डॉलर कमाने वाली टेक कंपनियां डेटा शेयरिंग के अनुबंधों पर जीएसटी और दूसरे टैक्सों का भुगतान नहीं करतीं। सरकारी कंटेंट : नेता, अफसर, सरकार और पार्टियों के यूट्यूब चैनल में अमूमन विज्ञापन नहीं होने की वजह से आमदनी नहीं होती। लेकिन ऐसे वीडियोज का इन्फ्लुएंसर और दूसरी कंपनियां इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर आमदनी करती हैं।

फरीदाबाद में पाकिस्तानी जासूस अरेस्ट,पंचर की दुकान में बैठ सैनिकों के फोटोज भेजता,हर फोटो पर मिलते थे रु6 हजार

फरीदाबाद। दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर एक कैमरा इनस्टॉल किया है। 4 से 5 हजार रुपये

भी अलग अलग लोगों को मिले। हरियाणा के सोनीपत रेलवे स्टेशन के पास सोलर ऑपरेटेड दूसरा कैमरा लगाया। इसे गाजियाबाद पुलिस ने रिकवर कर लिया है। यूपी पुलिस, यूपी एटीएस और दिल्ली पुलिस व हरियाणा पुलिस भी पूछताछ कर चुकी हैं। जांच एजेंसियों की पूछताछ में सामने आया है सुहेल ने एक व्हाट्सअप ग्रुप बनाया था। इसमें वह लोगों को पाकिस्तान से जुड़े फोटो-वीडियो भेज रहे थे। 3 महीने पहले खोली थी दुकान- जानकारी के अनुसार, करीब तीन महीने पहले ही फरीदाबाद के गांव नचौली स्थित खुले एक पेंट्रोल पंप पर नौशाद ने पंचर बनाने की दुकान शुरू की थी। नौशाद बिहार के मुजफ्फरपुर थाना काटी क्षेत्र के अंतर्गत हरचंदा गांव के रहने वाला रहने वाला है। 16 मार्च को हुई गिरफ्तारी-16 मार्च की शाम गाजियाबाद पुलिस सादे कपड़ों में लोकेशन ढूंढते हुए पहुंची थी। पुलिसकर्मियों ने पहले एक-एक कर पेट्रोल पंप कर्मियों से नाम और मूल निवास पूछे। इस दौरान नौशाद वहीं बगल में एक तरफ खड़ा रहा, मगर पुलिसकर्मियों ने उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। कर्मियों से पूछताछ में खुला राज-पुलिस ने जब कर्मचारियों से नौशाद अली उर्फ लालू है। जिसके बाद पुलिस उसको पकड़ कर ले गई। पुलिस ने इस दौरान उसका मोबाइल भी अपने कब्जे में ले लिया। पूर्व मैनेजर ने खुलवाई थी दुकान-पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने बताया कि पूर्व मैनेजर रविन्द्र ने नौशाद की पंचर बनाने की दुकान खुलवाई थी। पुलिस की जांच में सामने आया है कि रविंदर ने मेवला महाराजपुर पेट्रोल पंप पर पंचर की दुकान करने वाले मुमताज से संपर्क किया। जिसके बाद मुमताज ने नौशाद को संपर्क कर कोलकाता से बुलाया और उसकी पंचर की दुकान गांव नचौली के पंप पर खुलवा दी। दोनों ही बिहार के मुजफ्फरपुर थाना काटी क्षेत्र के अंतर्गत हरचंदा गांव के रहने वाले है। प्रदूषण बूथ कर्मी बोला-कभी एहसास नहीं हुआ, वो ऐसा है पेट्रोल पम्प पर प्रदूषण का बूथ चलाने वाले कर्मचारी मोनू ने बताया कि नौशाद रोजाना उनके पास आकर बैठ जाता था। उसने बताया था कि करीब 3 महीने पहले उसने पंचर की दुकान शुरू की थी। पहले वह 1 महीने कहीं किराये पर रहता था , लेकिन फिर बाद में वह पंप के ऑफिस में ही रात को रहने लगा। यहीं पर वह कर्मचारियों के साथ घुल मिल गया था। उसकी बातों से कभी ऐसा नही लगा की था कि वह ऐसा कोई काम करता है। पूरी तरह से वह सीधा बनकर रहता है। उसने अपने परिवार के बारे में ज्यादा नहीं बताया। उसने बताया था कि उसके दो भाई है दोनों ही पंचर की दुकान करते है। उसके मं-बाप बिहार में ही रहते हैं। सुबह से शाम तक वह यहीं पर रहता था।पेट्रोल पंप पर काम करने वाले संतोष नामक कर्मचारी ने बताया कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम का यह पेट्रोल पंप फरीदाबाद के रहने वाले शिवशांत प्रसाद गुप्ता ने एक साल पहले खोला है। शुरू में लगा था कि पुलिस नौशाद को किसी चोरी या झपटमारी जैसे मामले में पकड़कर ले गई है। इसलिए ज्यादा ध्यान नहीं दिया। रविवार को जब पुलिस पहुंची तो बताया कि उसके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा है, यह जानकर उन्हें हैरत हुई।मामले में यूपी के कौशांबी थाना क्षेत्र से 6 लोगों को भी 14 मार्च को अरेस्ट किया गया। यह पुलिस रिमांड पर हैं। इनकी निशानदेही पर 6 अन्य लोगों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि अभी कुछ और आरोपियों के नाम इसमें शामिल हैं। पुलिस पता करने में जुटी है कि पूरा गैंग कैसे काम कर रहा था और इसकी क्या मंशा थी।

20 हजार किमी की पैदल यात्रा की नक्सलियों ने किडनैप किया, सच्चाई जानकर खाना खिलाया,पैसे भी दिए,इंजरी ने क्रिकेटर बनने का सपना तोड़ा

जयपुर। कमर में हुई इंजरी ने क्रिकेटर बनने का सपना तोड़ दिया। योग की मदद से ठीक हुए तो सभी को जागरूक कपने का संकल्प लिया। इसके लिए पैदल यात्रा पर निकल पड़े। ये हैं मैसूर (कर्नाटक) के रहने वाले 32 साल के कृष्णा नायक। अपनी यात्रा के दौरान ये जयपुर पहुंचे हैं। कृष्णा नायक ने बताया कि 16 अक्टूबर 2022 को मैसूर से पैदल यात्रा शुरू की थी। तीन साल से ज्यादा समय में करीब 20 हजार किलोमीटर चलकर नेपाल और भूटान समेत भारत के 25 राज्यों तक पहुंच चुका हूं। इस दौरान छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने किडनैप भी किया। हकीकत सामने आई तो प्यार से खाना खिलाया, पैसे भी दिए। सवाल - योग के प्रति आम जनता को जागरूक करने का यह सफर कहां से और कब शुरू किया?
कृष्णा नायक - 16 अक्टूबर सन 2022 को मैंने मैसूर से अपनी इस योग यात्रा की शुरुआत की थी। भारत के साथ नेपाल और भूटान में भी आम जनता को योग के प्रति जागरूक करने के लिए यात्रा की है। अब तक मैं 1251 दिनों की यात्रा को पूरा कर चुका हूं। इस दौरान मैंने नेपाल और भूटान की यात्रा पूरी कर ली है। फिलहाल मैं भारत के 25वें राज्य में प्रवेश कर यहां के अलग-अलग शहरों में आम जनता को योग के प्रति जागरूक कर रहा हूं। इस दौरान में अब तक लगभग 20 हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा कर चुका हूं। मैं चाहता हूं कि भारत में बच्चा-बच्चा और यूथ यह जाने की योग कितना महत्वपूर्ण है। इसी सोच के साथ मैं देश के स्कूल-कॉलेज में पहुंच उन्हें योग की जानकारी देता हूं।
सवाल - तीन देशों की यात्रा करने से पहले आपको बैक इंजरी हुई थी। ऐसे वक्त में यात्रा करने की सोच कैसे आई? कृष्णा नायक - योग पथ पर आने से पहले मैं बतौर क्रिकेटर अपने जीवन को जी रहा था। अचानक मेरी पीठ में इंजरी हो गई। इसकी वजह से मैं ठीक ढंग से खड़ा तक नहीं हो पा रहा था। उस वक्त न मैं

क्रिकेट खेल पा रहा था, न ठीक ढंग से उठ और सो पा रहा था। उस वक्त मैंने योग के माध्यम से न सिर्फ अपनी इंजरी को ठीक किया, बल्कि खुद को और बेहतर और स्वस्थ भी महसूस किया। इसके बाद मुझे योग ने अपनी ओर बहुत ज्यादा आकर्षित किया। लोग मुझे बोलते थे कि मुझे योग की वजह से नया जीवन मिला है। इसके बाद मैंने अलग-अलग तरह के योग अभ्यास सीखे और यूथ को ट्रेनिंग देने का निर्णय लिया था। सवाल - 20 हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा के दौरान किस तरह की समस्या का सामना करना पड़ा। छत्तीसगढ़ में आपको नक्सलियों ने भी पकड़ लिया था? कृष्णा नायक - मैंने अपनी यात्रा की शुरुआत मैसूर से की थी। इसके बाद केरला, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश को मैंने अच्छे से पार कर लिया था। इसके बाद मैंने छत्तीसगढ़ में एंट्री ली। कुछ दिन बाद मैं वहां के नक्सली क्षेत्र में पहुंचा था। वहां इंद्रावती नेशनल पार्क (जो आज भी रेड अलर्ट एरिया है) के जंगल के बीच से गुजर रहा था। तभी कुछ नक्सलियों ने मुझे किडनैप कर लिया। वह लोग मुझे पकड़कर जंगल के बीच में ले गए। पूछताछ करने लगे। तब मुझे ठीक ढंग से हिंदी बोलना नहीं आता था। उन्हें ठीक ढंग से इंग्लिश समझ नहीं आ रही थी। मैं काफी परेशान हो गया और रोने लगा। उन लोगों ने मुझे कहा सही-सही बताओ, यहां क्यों आए हो वरना तुम्हें जान से मार देंगे। आखिर में उन लोगों ने मेरे बारे में गूगल किया। लगभग 4 घंटे बाद उन्हें मेरी यात्रा की जानकारी मिली। तब उन्हें मुझ पर विश्वास हुआ। इसके बाद उन लोगों को मेरी सोच अच्छी लगी। उन्होंने न सिर्फ मुझे छोड़ा, बल्कि मुझे अच्छा खाना भी दिया। कुछ पैसे भी दिए, ताकि मैं अपने सफर को ठीक ढंग से पूरा कर सकूं। इसके बाद मणिपुर में भी मुझे इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा। मैं तिरंगा लेकर अपनी पैदल यात्रा पर था। कुछ लोगों ने मुझे हिरासत में ले लिया। उन्होंने मुझे कहा- यह भारत का हिस्सा नहीं है। उन लोगों ने मुझे काफी परेशान भी किया। इस तरह समस्याओं का सामना करना पड़ा। फिलहाल मेरी यात्रा भगवान की कृपा से जारी है। मैं देश की 800 से ज्यादा आईआईटी-एनआईटी और स्कूल-कॉलेज में जाकर हजारों बच्चों को योग के प्रति जागरूक कर चुका हूं।सवाल - लंबे वक्त से आप योग यात्रा पर हैं। आखिर आपको मोटिवेट और मदद कौन कर रहा है? जवाब - भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी जवागल श्रीनाथ सर ही मुझे सबसे ज्यादा सपोर्ट कर रहे हैं। उन्होंने ही मेरी यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। वो ही मेरी यात्रा के सबसे बड़े मददगार हैं। मेरे सफर के दौरान मेरे खाने और पीने का सारा खर्चा वही उठा रहे हैं। उनके साथ परिवार और दोस्त मुझे सपोर्ट करते हैं। मुझे कर्नाटक गवर्नमेंट ने पुलिस वेरिफिकेशन सर्टिफिकेट भी दे रखा है। इसकी वजह से मैं जहां भी जाता हूं, वहां के स्कूल, कॉलेज, मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर और गुरुद्वारे में मुझे रुकने दिया जाता है। मैं जंगल और पुलिस स्टेशन में भी रात बिता चुका हूं।
सवाल - आपकी यात्रा कहां तक जाएगी और कब खत्म होगी? जवाब - नेपाल, भूटान के साथ ही भारत के 25 राज्यों की यात्रा को अब तक पूरा कर चुका हूं। फिलहाल मैं राजस्थान के बाद गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आखिर में चेन्नई पहुंचूंगा। लगभग 6 महीने का वक्त मुझे अभी अपनी यात्रा को पूरा करने में लगेगा। इसके बाद मैं चेन्नई में अपनी यात्रा का समापन करूंगा। सवाल - 3 साल से ज्यादा वक्त बीत गया है। क्या परिवार वालों से मुलाकात हुई। इस दौरान क्या कभी कोई पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल किया? जवाब - मैं 100फीसदी पैदल यात्रा पर हूं। मेरे पास खुद का जीपीएस ट्रैकर है। फैमिली मेंबर्स से मेरी बात होती है। बीच में एक बार वह लोग मुझसे मिलने भी आए थे। मैं भी सब लोगों को मिस करता हूं, लेकिन पूरा देश मेरी फैमिली है। मैं चाहता हूं कि सभी स्वस्थ और तंदुरुस्त रहें। इसी सोच के साथ सबको जागरूक करने के लिए लगातार पैदल चल रहा हूं।

डिएगो गार्सिया निशाना, 4000 किमी रेंज,भारत के पड़ोस से गुजरी ईरानी मिसाइल

तेहरान। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल का युद्ध पहली बार मिडिल ईस्ट के बाहर हिंद महासागर क्षेत्र में पहुंच गया है। बीते शनिवार को ईरान की एयरोस्पेस फोर्स ने डिएगो गार्सिया में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के संयुक्त बेस पर मिसाइल दागकर दुनिया को चौंका दिया। यह बेस हिंद महासागर में भारत से सुदूर दक्षिण में स्थित है, जो ईरान के नजदीकी तट से लगभग 3800 किमी दूर है। हालांकि, दोनों में से कोई मिसाइल अपने लक्ष्य तक सफलतापूर्वक नहीं पहुंच पाई, लेकिन इस घटना ने ईरान के मध्यम-दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को लेकर हलचल मचा दी है। डिएगो गार्सिया पर हमले के लिए मिसाइल को भारत के पड़ोस से गुजरना पड़ा होगा। ईरान के सार्वजनिक दावे के अनुसार, उसके जखीरे में मौजूद मिसाइलों की अधिकतम क्षमता 2000 किमी तक है। ऐसे में लगभग दोगुनी दूरी पर मिसाइल लॉन्च करना साफ दिखाता है कि उसके पास ऐसे हथियार हैं, जिनके बारे में दुनिया को पता नहीं है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि ईरान का लगभग 4000 किमी की दूरी के लिए मिसाइल लॉन्च करना चौंकाने वाला नहीं है। अमेरिका में रहने वाले अंकित पांडा ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर सालों से नजर रख रहे हैं। उन्होंने ईरानी मिसाइल लॉन्च का विश्लेषण किया है। पांडा का कहना है कि जो लोग ईरान के अंतरिक्ष और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों में हो रहे घटनाक्रमों पर नजर रख रहे हैं, वे मानते हैं कि लंबी दूरी की मिसाइल बनाने की क्षमता ईरान की तकनीकी क्षमता के दायरे में ही है। ईरान के पास अलग-अलग आकार और प्रोपेलेंड प्रकार के बूस्टर बनाने की विशेषज्ञता की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मिसाइलों की रेंज तय करना पेचीदा काम है। पेलोड के वजन में आसानी से बदलाव किया जा सकता है।पांडा ने मिसाइल को बदला हुआ स्पेस लॉन्च व्हीकल होने की संभावना जताई है।

प्रेग्नेंसी में वर्क फ्रॉम होम नहीं दिया, रु200 करोड़ जुर्माना,डिलीवरी के बाद बच्चे की मौत हुई

दुनियाभर में प्रेग्नेंट महिलाओं के काम से जुड़े अधिकारों को

लेकर अलग-अलग कानून हैं, लेकिन कुछ सामान्य नियम हर जगह लागू होते हैं। इन नियमों के तहत प्रेग्नेंसी के कारण किसी महिला के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता और जरूरत पड़ने पर वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह माना जाता है कि प्रेग्नेंट महिलाओं को 'रीजनेबल अकॉमोडेशन' यानी उचित सुविधा दी जानी चाहिए। इसमें काम के घंटे कम करना, हल्का काम देना या घर से काम करने की इजाजत शामिल हो सकती है।अमेरिका में इसे लेकर कानून और भी क्लियर हैं। प्रेग्नेंट वर्कर्स फेयरनेस एक्ट के तहत कंपनियों को प्रेग्नेंट कर्मचारियों को जरूरी सुविधाएं देना अनिवार्य है, जब तक इससे कंपनी को बहुत ज्यादा नुकसान न हो। इसके अलावा प्रेग्नेंसी डिस्क्रीमिनेशन एक्ट के मुताबिक, प्रेग्नेंट महिलाओं के साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जा सकता। अगर किसी अन्य कर्मचारी को बीमारी के दौरान वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी जाती है, तो प्रेग्नेंट महिला को भी समान सुविधा मिलनी चाहिए। कुछ मामलों में अमेरिकन्स विद डिसएबिलिटी एक्ट भी लागू होता है। अगर गर्भावस्था से जुड़ी कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो, तो कंपनी को कर्मचारी की मदद करनी होती है, जिसमें वर्क फ्रॉम होम भी शामिल हो सकता है। हालांकि, हर मामले में वर्क फ्रॉम होम देना जरूरी नहीं होता। अगर काम ऐसा है जो घर से नहीं किया जा सकता या कंपनी को इससे ज्यादा नुकसान होता है, तो कंपनी मना कर सकती है। लेकिन इसके लिए उसे सही कारण बताना जरूरी होता है। इसके अलावा, कंपनियों को यह भी ध्यान रखना होता है कि प्रेग्नेंट महिलाओं से भारी काम न कराया जाए और उन्हें सुरक्षित माहौल दिया जाए। भारत में मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट, 1961 के तहत महिलाओं को कई जरूरी अधिकार मिलते हैं। जैसे उन्हें 26 हफ्ते (करीब 6 महीने) की पेड छुट्टी मिलती है और नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। इस कानून के मुताबिक, अगर काम घर से किया जा सकता है और कंपनी और कर्मचारी दोनों तैयार हों, तो मेटरनिटी लीव के बाद वर्क फ्रॉम होम दिया जा सकता है। लेकिन वर्क फ्रॉम होम एक सुविधा है, जरूरी अधिकार नहीं। कंपनी अपनी जरूरत के हिसाब से इसे मंजूर या मना कर सकती है। हालांकि सरकार ने कंपनियों को यह सलाह दी है कि वे महिलाओं को लीव के बाद कुछ समय तक घर से काम करने दें, लेकिन यह नियम अनिवार्य नहीं है।

महिला की लाश के साथ 13 घंटे उड़ता रहा विमान,हॉन्गकॉन्ग से लंदन उड़ान में टेकऑफ के बाद मौत हुई; रास्तेभर बदबू से परेशान रहे पैसेंजर

हॉन्गकॉन्ग। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में रविवार को एक महिला यात्री की टेकऑफ के करीब 1 घंटे बाद मौत हो गई। इसके बाद उनका शव पूरे 13 घंटे तक विमान में ही रखा रहा। शव को विमान के पीछे वाले हिस्से में रखा गया था, जहां फर्श गर्म था। इसी वजह से धीरे-धीरे बदबू फैलने लगी, जिससे पीछे बैठे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह घटना हॉन्गकॉन्ग से लंदन जा रही फ्लाइट में हुई। महिला की उम्र करीब 60 साल थी। पायलट ने फ्लाइट को बीच में रोकने या वापस लौटने के बजाय लंदन तक जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि नियमों के मुताबिक ऐसी स्थिति को आमतौर पर इमरजेंसी नहीं माना जाता।क्रू मेंबर्स ने पहले शव को टॉयलेट में रखने का सोचा, लेकिन बाद में उसे कंबल में लपेटकर गैली में रख दिया गया। गैली विमान का वह हिस्सा होता है, जहां फ्लाइट स्टाफ (क्रू) खाना-पीना तैयार करता है और सामान रखता है। यहीं से यात्रियों को खाना, पानी, चाय-कॉफी दी जाती है। आमतौर पर यह प्लेन के आगे या पीछे वाले हिस्से में होता है। लंदन पहुंचने पर पुलिस ने विमान में आकर जांच की और करीब 45 मिनट तक यात्रियों को सीट पर ही बैठाए रखा गया। एयरलाइन ब्रिटिश एयरवेज ने कहा कि सभी नियमों का सही तरीके से पालन किया गया और वे महिला के परिवार के साथ हैं। हवाई यात्रा के दौरान अगर किसी यात्री की मौत हो

जाती है, तो एयरलाइंस एक तय नियम के मुताबिक काम करती हैं। ये नियम इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की गाइडलाइन्स पर आधारित होते हैं। सबसे पहले फ्लाइट का स्टाफ उस यात्री को बचाने की कोशिश करता है। सीपीआर दिया जाता है और अगर प्लेन में कोई डॉक्टर हो तो उसकी मदद ली जाती है। इसके बाद पायलट को जानकारी दी जाती है। फिर पायलट फैसला करता है कि फ्लाइट को बीच में उतारना है या आगे बढ़ाना है। आमतौर पर फ्लाइट को अपने मंजिल तक ले जाया जाता है, क्योंकि हर मामले को इमरजेंसी नहीं माना जाता। अगर यात्री की मौत हो जाती है, तो शव को कंबल या बॉडी बैग से ढंक दिया जाता है। फिर उसे खाली सीट या प्लेन के पीछे वाले हिस्से (गैली) में रखा जाता है। अगर सीट खाली नहीं हो तो शव को उसी सीट पर रखा जा सकता है। क्रू इस बात का ध्यान रखता है कि बाकी यात्रियों को कम से कम परेशानी हो। लैंडिंग से पहले एयरपोर्ट को सूचना दे दी जाती है, ताकि मेडिकल टीम और पुलिस तैयार रहें। लैंडिंग के बाद जरूरी जांच और प्रक्रिया पूरी की जाती है।हवाई यात्रा के दौरान अगर किसी यात्री की मौत हो जाती है, तो हर मामले में एयरलाइन मुआवजा नहीं देती। मुआवजा तभी दिया जाता है, जब एयरलाइन की गलती या लापरवाही साबित हो। नियमों के मुताबिक, एयरलाइन की जिम्मेदारी होती है कि वह यात्री को तुरंत मदद दे। इसमें मेडिकल सहायता देना, सीपीआर करना और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की मदद लेना शामिल है। अगर एयरलाइन ये सब सही तरीके से करती है तो उसे दोषी नहीं माना जाता। आईएटीए के मुताबिक, अगर किसी यात्री की मौत नेचुरल तरीके जैसे हार्ट अटैक से होती है, तो एयरलाइन पर मुआवजा देने की जिम्मेदारी नहीं बनती। लेकिन अगर यह साबित हो जाए कि एयरलाइन ने समय पर मदद नहीं दी या नियमों का पालन नहीं किया, तो उसे जिम्मेदार माना जा सकता है और मुआवजा देना पड़ सकता है।हवाई यात्रा के दौरान हर समस्या को इमरजेंसी नहीं माना जाता। एविएशन नियमों के मुताबिक, जब विमान, यात्रियों या क्रू की जान को खतरा होता है, तभी स्थिति को इमरजेंसी घोषित किया जाता है। एविएशन अथॉरिटी जैसे फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, पायलट ऐसी स्थिति में 'मेडे मेड' या 'पेन पेन' कॉल देकर इमरजेंसी की जानकारी देता है और आगे का फैसला लेता है। सबसे गंभीर हालात तब माने जाते हैं जब प्लेन में आग लग जाए या धुआं भर जाए। ऐसे मामलों में तुरंत नजदीकी एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई जाती है। इसके अलावा इंजन फेल होना, केबिन प्रेशर खत्म होना या फ्यूल की कमी भी इमरजेंसी मानी जाती है, जिनमें जल्दी लैंडिंग जरूरी होती है। गंभीर मेडिकल मामलों, जैसे हार्ट अटैक या सांस लेने में दिक्कत होने पर भी फ्लाइट को डायवर्ट किया जा सकता है, ताकि यात्री को जल्दी इलाज मिल सके। खराब मौसम या सुरक्षा खतरे (जैसे बम की धमकी) की स्थिति में भी पायलट फ्लाइट को नजदीकी एयरपोर्ट पर उतार सकता है। हालांकि, हर मेडिकल समस्या या घटना में तुरंत लैंडिंग नहीं होती। हल्की तबीयत खराब होना या किसी यात्री की मौत जैसे मामलों में अक्सर फ्लाइट को अपने डेस्टिनेशन तक जारी रखा जाता है।

हरियाणा में रेलवे ट्रैक किनारे मिला इंटरनेशनल एथलीट का शव,कल ही खेलो इंडिया में 3 मेडल जीते

सोनीपत। हरियाणा के भिवानी जिले के 70 साल के इंटरनेशनल एथलीट फूल कुंवार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव सोमवार को सोनीपत के राठधाना और नरेला स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ा मिला। शरीर पर चोटों के कई गहरे निशान थे। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। सूचना मिलते ही परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिवार ने बताया कि फूल कुंवार ने कल ही चंडीगढ़ में खेलो इंडिया के तहत आयोजित पांचवें खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स में 3 मेडल जीते थे। इसके बाद वे कालका-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस से लौट रहे थे, लेकिन घर नहीं पहुंचे। उनका सामान अभी भी नहीं मिला है, ऐसे में परिवार को शक है कि यह हादसा नहीं है। उधर, सोनीपत जीआरपी ने परिवार के बयान के आधार पर मामले में जांच शुरू कर दी है। कैसे हुआ घटनाक्रम, सिलसिलेवार ढंग से जानिए- खेलो इंडिया प्रतियोगिता में जीते थे तीन पदक : परिवार के मुताबिक, चंडीगढ़ में 20 से 22 मार्च पांचवें खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स 2026 का आयोजन किया गया था। फूल कुंवार इसमें हिस्सा लेने गए थे। यहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए हाई जंप और हैमर थ्रो में गोल्ड मेडल, जबकि शॉट पुट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। तीन मेडल जीतकर वे बेहद खुश थे। कालका-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस से लौट रहे थे : वे भिवानी लौटने के लिए रविवार की शाम को कालका-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस में सवार हुए थे। चंडीगढ़ से चलते वक्त उन्होंने परिवार के सदस्यों से बात की थी। मगर, देर रात तक वे घर नहीं पहुंचे। सोमवार को जीआरपी सोनीपत ने उनका शव राठधाना और नरेला स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ा मिलने की सूचना दी। शव खून से लथपथ था, सामान गायब : परिवार के मुताबिक,

वे मौके पर पहुंचे तो फूल कुंवार का शव खून से लथपथ था। पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई कि या तो ट्रेन के दरवाजे से गिरने के कारण यह हादसा हुआ या फिर किसी ने धक्का दिया। हालांकि, अभी तक किसी भी संभावना की पुष्टि नहीं हुई है, जिससे मामला संदिग्ध बना हुआ है। एथलीट के परिवार ने उठाए सवाल : परिवार के अनुसार, फूल कुंवार के साथ भिवानी के 2 अन्य साथी भी ट्रेन में सफर कर रहे थे। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर यह घटना कैसे हुई। परिवार का कहना है कि वे पूरी तरह स्वस्थ और खुश थे, ऐसे में अचानक इस तरह की घटना समझ से परे है। रेलवे पुलिस मामले की जांच में जुटी : जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत सिविल अस्पताल भेजा, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिवार के मुताबिक, फूल कुंवार का खेल जीवन बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 1978 से 1986 के बीच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई मेडल जीते। शॉट पुट, बांस कूद (पोल वॉल्ट) और हैमर थ्रो उनके मुख्य इवेंट रहे। 1982 में उन्होंने पोल वॉल्ट में नेशनल रिकॉर्ड भी बनाया था। जर्मनी, मलेशिया, चीन और जापान जैसे देशों में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कई मेडल हासिल किए। खेल कोटे से पुलिस और रेलवे में नौकरी की फूल कुंवार 1978 में हरियाणा पुलिस में सीधे एएसआई भर्ती हुए और करीब 7 वर्षों तक सेवा दी। इसके बाद 1982 में रेलवे दिल्ली में चीफ टिकट इंस्पेक्टर बने और वहीं से सेवानिवृत्त हुए। उनकी नौकरी भी खेल कोटे के आधार पर लगी थी। 70 की उम्र में भी खेलों का जुनून-फूल कंवर ने रिटायरमेंट के बाद भी खेल को कभी नहीं छोड़ा। वे मास्टर एथलेटिक्स कैटेगरी में लगातार हिस्सा लेते रहे। 70 साल की उम्र में भी वे रोज सुबह और शाम दो-दो घंटे प्रैक्टिस करते थे। इतना ही नहीं, वे युवा खिलाड़ियों को भी मैदान में टिप्स देते और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। उनकी फिटनेस और ऊर्जा को देखकर हर कोई हैरान रह जाता था।परिवार के मुताबिक, फूल कुंवार की मौत से परिवार में शोक छाया है। वे अपने पीछे पत्नी और एक शादीशुदा बेटी को छोड़ गए हैं। तीन मेडल जीतकर लौटने की खुशी का इंतजार कर रहा परिवार अब गहरे सदमे में है। घर में जश्न की जगह मातम पसरा हुआ है।

धुरंधर 2 का वर्ल्डवाइड कलेक्शन रु800 करोड़ के पार,छावा-पीके के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ा

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधरः द रिवेंज यानी धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर

शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के पांचवें दिन यानी सोमवार को भारत में 65 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने दुनियाभर में 800 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है और फिल्म छावा और पीके के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 519.12 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 619.76 करोड़ रुपए हो गया है। ओवरसीज माकेट में फिल्म ने 210 करोड़ रुपए की कमाई की, जिससे इसका कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 829.76 करोड़ रुपए हो गया है। 5 दिनों की कमाई के मामले में यह फिल्म दूसरे स्थान पर है। इससे आगे 'पुष्पा 2' है, जिसने 881.26 करोड़ रुपए की कमाई की थी।भारत में 5 दिनों का नेट कलेक्शन पहला हफ्ता (शनिवार): रु113.00 करोड़ (रविवार): रु114.85 करोड़ दूसरा हफ्ता (सोमवार): रु65.00 करोड़ कुल (5 दिन): रु519.12 करोड़पांचवें दिन फिल्म के हिंदी वर्जन ने 60 करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा कमाई की। वहीं, तेलुगु में 3.50 करोड़ रुपए, तमिल में 1.20 करोड़ रुपए, कन्नड़ और मलयालम में 0.15-0.15 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ।

छावा और पीके को पीछे छोड़ा-धुरंधर 2 अब बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपए के आंकड़े की ओर तेजी से बढ़ रही है।

इस दौरान इसने कई बड़ी भारतीय फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। सोमवार को 800 करोड़ रुपए पार करके, फिल्म ने छावा (807 करोड़ रुपए) और पीके (769 करोड़ रुपए) को भी पीछे छोड़ दिया। फिल्म स्त्री 2 (880 करोड़ रुपए) और कंटारा चैप्टर वन (870 करोड़ रुपए) के लाइफटाइम कलेक्शन से थोड़ी ही पीछे है। उम्मीद है कि मंगलवार तक यह इन फिल्मों के कलेक्शन को पीछे छोड़कर 900 करोड़ रुपए पार कर लेगी। धुरंधर को शानदार रिस्पॉन्स मिला थाधुरंधर के पहले पार्ट ने भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया था। फिल्म ने दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए की कमाई की। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ।

वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। विदेशी बाजारों में भी फिल्म धुरंधर को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए का कारोबार किया। खासतौर पर अमेरिका और कनाडा में फिल्म ने 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर 'बाहुबली 2' का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया। दिलचस्प बात यह है कि बड़ी सफलता फिल्म को तब मिली, जब इसे खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिली थी। इसके अलावा 'धुरंधर' भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 'ए' रेटेड फिल्म भी बन गई।

अक्षय कुमार नाम बदलते ही मिली पहली फिल्म,जिस बंगले में नहीं मिली एंट्री वही खरीदा,शार्क का शिकार बनने से बाल-बाल बचे

मुंबई। अक्षय कुमार यानी एक ऐसा नाम, जिसने अपनी मेहनत के दम पर बॉलीवुड में बहुत ऊंचा मुकाम हासिल किया। साधारण परिवार में जन्मे अक्षय ने कभी शेफ का काम किया, कभी वेटर बने, कभी बच्चों को मार्शल आर्ट्स सिखाए और कभी लाइटमैन भी बने। फिर मॉडलिंग की

और जब फिल्मों में आए, तो अपने एक्शन से लोगों का दिल जीता। कॉमेडी में आए तो अपनी डायलॉग डिलीवरी से सबको खूब हंसाया। साथ ही उन्होंने कई अलग-अलग तरह के रोल निभाए। 1990 के दशक में करियर की शुरुआत करने वाले अक्षय कुमार की गिनती आज भी बॉलीवुड के टॉप अभिनेताओं में होती है। अक्षय कुमार का असली नाम राजीव भाटिया है, उनका जन्म 9 सितंबर 1967 को हुआ था। उनके पिता हरि ओम भाटिया आर्मी ऑफिसर थे और मां अरुणा भाटिया गृहिणी थीं। बचपन में ही उनके पिता के ट्रांसफर से परिवार दिल्ली से मुंबई आ गया। छुट्टियों में वे अक्सर चांदनी चौक जाते थे। अक्षय बचपन से ही खेल-कूद में बहुत रुचि रखते थे।जब अक्षय सातवीं क्लास में थे तो उनके नंबर अच्छे नहीं आए। पिता गुस्सा हुए और पूछा कि आगे क्या करना है। अक्षय डर गए और लिखकर बताया कि वे हीरो बनना चाहते हैं। जिस पर पिता ने कहा था कि पढ़ाई जरूरी है, हिंदी-इंग्लिश आनी चाहिए। स्कूल के दिनों में बस में सफर करते हुए संजय दत्त के पोस्टर देखकर कहते थे कि एक दिन मैं भी ऐसा हीरो बनूंगा। अक्षय ने स्कूल की पढ़ाई माटुंगा के डॉन बॉस्को हाई स्कूल से की। वहीं, उन्होंने कराटे सीखना भी शुरू किया। उनका पढ़ाई में ज्यादा मन नहीं लगता था और वे मार्शल आर्ट्स सीखना चाहते थे। पिता ने पैसे इकट्ठे कर उन्हें थाईलैंड (बैंकॉक) भेजा, जहां उन्होंने थाई बॉक्सिंग सीखी। अक्षय कुमार ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट हैं। करियर की शुरुआत में उन्होंने शेफ और वेटर का काम भी किया।भारत लौटने के बाद वे मार्शल आर्ट्स सिखाने लगे। एक दिन एक स्टूडेंट के पिता, जो मॉडल कोऑर्डिनेटर थे, ने उन्हें कहा, लंबे-चौड़े और अच्छे-खासे दिखते हो, मॉडलिंग क्यों नहीं करते? जिसके बाद अक्षय ने फर्नीचर का ऐड किया और इसके लिए उन्हें सिर्फ 2 घंटे के काम में 21 हजार रुपए मिल गए। जिस पर अक्षय ने सोचा कि मैं तो महीने भर में 5 हजार रुपए कमाता हूं। यहां इतने कम समय में इतने सारे पैसे मिल गए। जिसके बाद उन्होंने यहीं से मॉडलिंग करने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने फोटोग्राफर जयेश शेठ के यहां उनके असिस्टेंट और लाइटमैन के तौर पर काम किया। फिल्मों में वे बैकग्राउंड डांसर भी बने। जब अक्षय फोटोग्राफर जयेश शेठ के साथ लाइटमैन के तौर पर काम करते थे, तब एक बार फोटोशूट के दौरान गोविंदा ने उन्हें देखकर मजाकिया अंदाज में कहा था- 'ओए, हीरो क्यों नहीं बनता तू?' इस पर अक्षय ने कहा, 'सर, आप क्या मजाक कर रहे हैं?' , लेकिन गोविंदा ने दोबारा कहा -'हीरो बन, हीरो।' पहली बार अक्षय ने फिल्म 'आज' (1987) में एक कराटे इंस्ट्रक्टर का छोटा सा रोल प्ले किया था। यह रोल केवल 7-8 सेकेंड का था। इस फिल्म के बाद उन्होंने अपना नाम बदलने का फैसला किया। उन्होंने अपना नाम बदलकर अक्षय कुमार रख लिया। दरअसल, फिल्म 'आज' में लीड एक्टर कुमार गौरव के किरदार का नाम अक्षय था और उन्होंने वही नाम अपना लिया। नाम बदलने के बाद अक्षय ने सबसे पहले एक विजिटिंग कार्ड छपवाया। जिसमें उनका नया नाम और घर का पता लिखा था। उन्होंने बताया था- 'उस दिन सुबह मुझे कार्ड मिला और शाम को मुझे पहली फिल्म 'दीदार' मिल गई थी।' पहली लीड रोल फिल्म से जुड़ा एक और किस्सा है। दरअसल, अक्षय बेंगलुरु में ऐड शूट के लिए जाने वाले थे, लेकिन उनकी फ्लाइट छूट गई। निराश होने के बजाय अक्षय ने खाली समय में एक फिल्म प्रोड्यूसर से मिलने का फैसला किया। उसी मुलाकात की वजह से उन्हें फिल्म 'दीदार' में काम करने का मौका मिला। बाद में उन्हें और भी मूवी मिली, जिसमें 'सौगंध' भी शामिल थी, जो 1991 में 'दीदार' से पहले रिलीज हुई और

इस तरह यह उनकी पहली फिल्म बनी। शुरुआती दौर में उनकी फिल्में खास प्रदर्शन नहीं कर पाईं, लेकिन 1992 में आई फिल्म 'खिलाड़ी' ने उन्हें खास पहचान दिलाई। इसके बाद 'मोहरा', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' और 'ये दिल्लगी' जैसी हिट फिल्मों ने उन्हें स्टार बना दिया। 90 के दशक में 'खिलाड़ी' सीरीज से वे एक्शन हीरो के रूप में लोगों के बीच पॉपुलर हो गए। वहीं, 'अफलातून' जैसी फिल्मों में उनका अलग अंदाज दिखा। अपने करियर के दौरान अक्षय ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। हालांकि वो इंडस्ट्री से गायब नहीं हुए। अक्षय कुमार ने बताया था कि लगातार 16 फ्लॉप फिल्मों के बावजूद उन्हें काम मिला क्योंकि वे हमेशा प्रोफेशनल और समय के पाबंद रहे। उन्होंने प्रोड्यूसर्स की बात मानी, सेट पर अनुशासन रखा और कभी मनमानी नहीं की।साल 2000 में आई कॉमेडी फिल्म 'हेरा फेरी' ने अक्षय की इमेज बदल दी। इस फिल्म ने अक्षय को कॉमेडी हीरो के रूप में नई पहचान दी। साल 2000 से 2010 के बीच 'मुझसे शादी करोगी', 'दीवाने हुए पागल', 'खट्टा मीठा', 'भागम भाग', 'दे दना दन', 'गरम मसाला', 'हे बेबी', 'भूल भुलैया' और 'वेलकम' जैसी फिल्मों में लोगों ने उनकी कॉमेडी को खूब पसंद किया। वहीं, इस दौरान उन्होंने 'धड़कन', 'अजनबी', 'अंदाज' और 'खाकी' जैसी फिल्मों में अलग तरह के किरदार भी निभाए। 'अजनबी' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ विलेन का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। पिछले एक दशक में अक्षय कुमार ने ऐसी फिल्मों में ज्यादा काम किया, जिनमें मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश था और कुछ फिल्में इतिहास से भी जुड़ी थीं। जिसमें 'एयरलिफ्ट', 'रुस्तम', 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा', 'पैडमैन', 'बेलबॉटम', 'केसरी', 'सम्राट पृथ्वीराज', 'रक्षाबंधन', 'सिरफिरा' और 'राम सेतु' जैसी फिल्में शामिल हैं। रुस्तम और पैडमैन के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। अक्षय 2018 में रजनीकांत के साथ 2.0 और 2019 में 'गुड न्यूज' जैसी फिल्मों भी नजर आए।हालांकि 2020 के बाद उनका करियर फिर उतार-चढ़ाव से गुजरा। 'लक्ष्मी', 'बच्चन पांडे', 'सम्राट पृथ्वीराज', 'रामसेतु' और 'सेल्फी' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं, लेकिन 'ओएमजी 2' ने उन्हें फिर से चर्चा में ला दिया। टीचर को दिल दे बैठे थे अक्षय कुमार- अक्षय

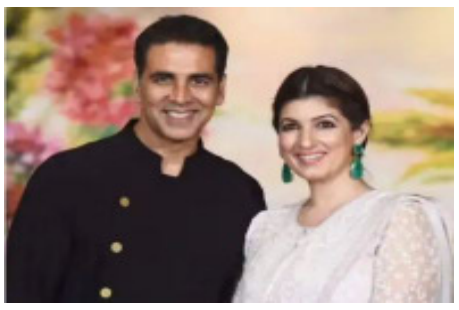

कुमार ने बताया था कि स्कूल के दिनों में उन्हें अपनी एक टीचर पर क्रश था। अक्षय ने हिम्मत जुटाकर अपनी टीचर से कहा -'आई लव यू।' इस पर टीचर ने मुस्कुराते हुए उनके सिर पर हाथ फेरा और कहा-'आई लव यू टू।' इसके बाद अक्षय ने बताया था कि यह किस्सा वहीं खत्म हो गया। बता दें कि अक्षय कुमार का नाम रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी जैसी एक्ट्रेस से जुड़ा। दोनों के साथ रिश्तों ने खूब सुर्खियां बटोरीं। जब आप की अदालत में अक्षय कुमार से सवाल पूछा गया था कि आपको लेकर शिल्पा शेट्टी ने कहा था कि अक्षय ने धोखा दिया और चीटिंग की थी। इस पर अक्षय कुमार ने कहा था- 'देखिए, इसका उत्तर मेरे पास नहीं है। इसका जवाब वही दे सकता है, जो यह बातें बोलता है। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि मैं एक मैन हूं और मैंने अपनी जिंदगी में कभी किसी के बारे में कुछ बुरा नहीं कहा। न ही मैं कहना चाहता हूं और न ही आपके शो पर कहूंगा।' अक्षय ने आगे कहा था- 'मैंने हमेशा चुप्पी साधी है क्योंकि मैं एक परफेक्ट जेंटलमैन हूं। मैं कभी अपनी प्राइवेट लाइफ के बारे में बात नहीं करूंगा।' अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की शादी 17 जनवरी 2001 को हुई थी। टीवी शो 'यारों की बारात' में अक्षय कुमार ने बताया था कि उनकी पहली मुलाकात ट्विंकल खन्ना से फिल्मफेयर के फोटोशूट के दौरान हुई थी। इसके बाद वे फिल्म 'जुल्मी' की शूटिंग के दौरान मिले, जहां से उनका अफेयर शुरू हुआ। करीब ढाई साल बाद अक्षय ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया। वहीं, अपने रिश्ते को लेकर ट्विंकल खन्ना ने कई इंटरव्यू में बताया है कि यह रिश्ता शुरू में सिर्फ 15 दिन का फ्लिंग था। वे एक लंबे रिश्ते से बाहर आई थीं और शूटिंग के दौरान बोर हो रही थीं। उस वक्त उन्होंने सोचा कि अक्षय के साथ वक्त बिताना अच्छा रहेगा। ट्विंकल ने मजाक में कहा भी था - 'वो छह फीट लंबे चॉकलेट आइसक्रीम जैसे थे, और मैंने तय किया कि 15 दिन तक ही रिश्ता चलेगा।' लेकिन धीरे-धीरे यह रिश्ता गहराता चला गया। राज्यसभा टीवी के कार्यक्रम 'गुफ्तगू' को दिए इंटरव्यू में अक्षय कुमार ने कहा था कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी शादी राजेश खन्ना की बेटी से होगी। मैं तो उनके ऑफिस में काम की तलाश में अपनी फोटो लेकर जाया करता था। उस समय वे कहते थे- 'ठीक है बेटा, बाद में आना, मैं अभी फिल्म बना रहा हूं।' अक्षय कुमार उन एक्टर्स में गिने जाते हैं, जो शूटिंग के दौरान स्टार्स के साथ मजाक-मस्ती करते हैं। ऐसा ही एक किस्सा रितेश देशमुख ने 'द कपिल शर्मा शो' में बताया था। उन्होंने कहा था कि फिल्म 'हे बेबी' की शूटिंग के दौरान अक्षय कुमार ने उनके फोन से विद्या बालन को शरारत में 'आई लव यू' का मैसेज भेज दिया। यह देखकर रितेश हैरान रह गए। हालांकि मजेदार मोड़ तब आया जब विद्या बालन ने उस मैसेज के जवाब में किस वाला स्माइली भेजा। रितेश को समझ नहीं आया कि आखिर यह सब हुआ कैसे। बाद में सच्चाई सामने आई कि विद्या का मोबाइल उस वक्त अक्षय कुमार के पास था और उन्होंने ही यह पूरा मजाक किया था। यह बात तो जगजाहिर है कि अक्षय कुमार फिल्मों में अपने स्टंट खुद करते हैं। अक्षय ने 'खिलाड़ी 420', 'ब्लू', 'सिंह इज ब्लिंग' जैसी फिल्मों में खतरनाक स्टंट किए हैं। 'खिलाड़ी 420' के लिए अक्षय कुमार ने एक बेहद खतरनाक स्टंट किया था, जिसमें उन्हें हवाई जहाज से गुब्बारे पर कूदना पड़ा। यह स्टंट इतना रिस्की था कि इसमें 70फीसदी मौत की संभावना और केवल 30फीसदी बचने की संभावना थी। वहीं, फिल्म ब्लू की शूटिंग के दौरान अक्षय पानी में 70-80 फीट नीचे गए थे। वहां उनके सिर पर चोट लगी और खून निकलने लगा। उन्होंने बताया कि खून शार्क को आकर्षित करता है, इसलिए स्थिति बेहद खतरनाक हो गई थी, लेकिन टीम ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और उनकी जान बची। अगर थोड़ी भी देरी होती तो अक्षय शार्क का खाना बन जाते। अक्षय ने हाल ही बताया था कि उन्हें एक्शन सीन की प्रेरणा कार्टून शो टॉम एंड जेरी से आती है। हेलिकॉप्टर से लटकने या खतरनाक स्टंट्स, उन्होंने उसी कार्टून से सीखा और पर्दे पर उतारा। अक्षय कुमार अपने शुरुआती दिनों में पोर्टफोलियो शूट के लिए एक बार जुहू बीच के पास एक बंगले के अंदर जाना चाहते थे, लेकिन चौकीदार ने मना कर दिया। मजबूरी में अक्षय ने उसी बंगले की बाहर वाली दीवार पर बैठकर अपना फोटोशूट करवाया। सालों बाद, जब उन्होंने पुरानी तस्वीरें देखी तो हैरान रह गए कि वही दीवार, उसी का हिस्सा है, जिस बंगले में वे रह रहे हैं। फिल्म 'कीमत' की शूटिंग के दौरान रणवीर सिंह भी वहां पहुंचे थे। उस समय रणवीर छोटे थे और उन्हें वहां से धक्का देकर बाहर निकाला जा रहा था, जिससे वे रोने लगे। तभी अक्षय की नजर रणवीर पर पड़ी तो उन्होंने अपने सिक्योरिटी गार्ड्स से उन्हें सेट के अंदर लाने को कहा।

पति बेरोजगार हैंःससुराल से मदद लेने में उनका इगो टकराता है, पति को कैसे समझाऊं, मदद लेना कमजोरी नहीं, साहस है

नयी दिल्ली। एक्सपर्टः द्युतिमा शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एंड ट्रॉमा थेरेपिस्ट, भोपाल से समझते हैं सवाल जवाब के

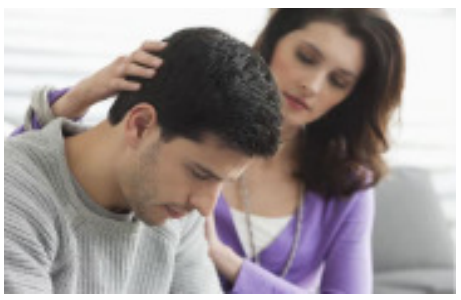

माध्यम से. सवालः मेरी शादी को 3 साल हो गए हैं। मैं और मेरे पति आर्थिक तनाव से जूझ रहे हैं। हाल ही में उनकी नौकरी चली गई और अब हम मेरी आमदनी और कुछ बचत पर निर्भर हैं। मैं पैसे को लेकर सतर्क हूं, लेकिन वह खर्च करने में लापरवाह हैं, जिससे हमारे बीच बहस होती है। मैं उनकी नौकरी छूटने के दुख को बढ़ाना नहीं चाहती, लेकिन मुझे भविष्य की चिंता सता रही है। मेरे परिवार ने मदद की पेशकश की, पर उन्हें लगता है कि उनका आत्मसम्मान बिखर जाएगा। हम पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोकें? क्या मुझे सख्त बजट बनाना चाहिए या कोई और तरीका है? उनकी इमोशनल मदद कैसे करूं और हकीकत से कैसे निपटूं? उन्हें कैसे समझाऊं कि ससुराल से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है? जवाबः शादी के 3 साल बाद, आपके पति की नौकरी छूटने से आर्थिक तनाव बढ़ गया है। आप अपनी इनकम है, लेकिन आपके पति को लगता है कि इससे उनका आत्मसम्मान कम होगा। आप पूछ रही हैं कि पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोका जाए, क्या सख्त बजट बनाना चाहिए, उनकी भावनात्मक मदद कैसे करें और उन्हें कैसे समझाएं कि ससुराल से मदद लेना ठीक है। सबकुछ एक-एक करके समझते हैं।पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोकें? पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से रोकने के लिए सबसे जरूरी है खुलकर बातचीत और एकजुटता। अपने पति के साथ शांत माहौल में बैठें और अपनी चिंताओं को साझा करें। उदाहरण के लिए, आप उन्हें बताएं कि आप ये समझती हैं कि यह आप दोनों के लिए मुश्किल है, लेकिन अगर हम साथ मिलकर इसे संभालें, तो हमारा रिश्ता मजबूत रहेगा। बहस को समाधान की ओर मोड़ें।खुलकर बातचीत से आप दोनों के बीच विश्वास बढ़ेगा और पैसे का तनाव रिश्ते पर भारी नहीं पड़ेगा।हां, एक सख्त लेकिन लचीला बजट बनाना चाहिए। इसे दोनों आपसी सहमति से तैयार करें, ताकि कोई दबाव

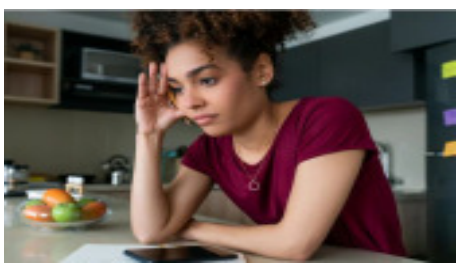

और कुछ बचत पर निर्भर हैं और आपके अलग-अलग खर्च करने के तरीकों के कारण बहस हो रही है। आप भविष्य की चिंता में हैं, लेकिन अपने पति के दुख को बढ़ाना नहीं चाहती हैं। आपके परिवार ने मदद की पेशकश की महसूस न करे। बजट आपकी आय और खर्चों को नियंत्रित करेगा और बहस को कम करेगा। साथ ही, साझा वित्तीय लक्ष्य बनाना भी जरूरी है।इस दौरान आप अपने पति की नौकरी खोजने में मदद करें। उनके रिज्यूम को अपडेट करने या जॉब पोर्टल्स पर आवेदन करने में मदद करें। बजट और लक्ष्य से आपको स्पष्टता मिलेगी और आप दोनों एक टीम की तरह काम करेंगे। उनकी भावनात्मक मदद कैसे करूं और हकीकत से कैसे निपटूं? नौकरी छूटने से आपके पति का आत्मसम्मान को नुकसान हुआ होगा। उनकी भावनात्मक मदद के लिए आपको संवेदनशीलता और धैर्य दिखाना होगा। हकीकत से निपटने के लिए व्यावहारिक कदम उठाएं। भावनात्मक रूप से साथ देने के तरीके- बातें सुनें: उनकी बात बिना जज किए सुनें। अगर वे चिंता साझा करें, तो कहें, 'मैं समझती हूं कि यह तुम्हारे लिए कितना मुश्किल है।' सहानुभूति

रखें: उन्हें बताएं कि आप उनके साथ हैं। कैसी भी मुश्किल हो साथ मिलकर पार कर लेंगे। सकारात्मकता लाएं: साथ में वॉक पर जाएं, पुरानी यादें ताजा करें, या घर पर कोई सस्ता शौक शुरू करें। हिम्मत बंधाएं: उन्हें याद दिलाएं, 'यह अस्थायी है, तुम जल्द ही नई शुरुआत करोगे।' हकीकत से निपटने के लिए- उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए भी वित्तीय स्थिति पर स्पष्ट चर्चा करें।छोटे-छोटे कदम सुझाएं, जैसे नौकरी की तलाश में मदद करना या बजट का पालन करना। धैर्य रखें, लेकिन जरूरत पड़ने पर सख्ती भी दिखाएं, जैसे गैर-आवश्यक खर्च रोकना। भावनात्मक समर्थन से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और हकीकत से निपटने में आप दोनों की भागीदारी रिश्ते को मजबूत करेगी।उन्हें कैसे समझाऊं कि ससुराल से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है? आपके पति को लगता है कि ससुराल से मदद लेने से उनका आत्मसम्मान कम होगा, जो भारतीय संस्कृति में आम सोच है। इसे संवेदनशीलता से समझाएं। मदद को अस्थायी बताएं: उनसे कहें कि यह मदद सिर्फ इस मुश्किल वक्त को पार करने के लिए है। जब तुम्हारी नौकरी लग जाएगी, हम इसे लौटा देंगे। औपचारिक बनाएं: इसे कर्ज की तरह पेश करें और कहें, हम इसे लिखित रूप में रख सकते हैं, ताकि तुम्हें बोझ न लगे। प्यार और समर्थन पर जोर दें: उन्हें बताएं कि आपका परिवार हमारी मदद करना चाहता है क्योंकि वे हमसे प्यार करते हैं। इसमें शर्म की बात नहीं है।

इससे जुड़े उदाहरण दें: अगर आपके परिवार ने पहले उनकी मदद की हो, तो उसे याद दिलाएं। उन्हें यह एहसास दिलाएं कि यह एक अस्थायी समाधान है और इससे उनकी गरिमा कम नहीं होगी।आर्थिक तनाव से निपटने के टिप्स खुलकर बात करें: अपनी चिंताएं साझा करें और उनकी भावनाओं को समझें। बजट और लक्ष्य बनाएं: सख्त लेकिन

लचीला बजट बनाएं और साझा फाइनेंशियल टारगेट तय करें। इमोशनल सपोर्ट दें: उनका आत्मसम्मान बढ़ाएं और सकारात्मक रहें। परिवार से मदद लें: इसे अस्थायी और सम्मानजनक तरीके से पेश करें। जरूरत पर पेशेवर मदद लें: वित्तीय सलाहकार या काउंसलर से सहायता लें।

रजनीकांत ने धुरंधर 2 की तारीफ कीःआदित्य धर को बॉक्स ऑफिस का बाप बताया

मुंबई। सुपरस्टार रजनीकांत ने फिल्म धुरंधर 2 की तारीफ की और इसे मस्ट वॉच फिल्म बताया। फिल्म डायरेक्टर आदित्य धर ने इसे अपने करियर का खास और इमोशनल मोमेंट बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सोमवार को रजनीकांत ने धुरंधर 2 की तारीफ करते हुए लिखा, 'क्या फिल्म हैष्ठ धुरंधर 2। आदित्य धर बॉक्स ऑफिस के बाप हैं! रणवीर और पूरी कास्ट व क्रू को बहुत-बहुत बधाई। हर भारतीय के लिए यह फिल्म देखना जरूरी है। जय हिंद।'रजनीकांत की तारीफ पर प्रतिक्रिया देते हुए आदित्य धर ने लिखा, 'सर, हम सब एंटरटेनमेंट को सिर्फ आपके एक ही बेंचमार्क से मापते हुए बड़े हुए हैं। दशकों से हमें सीटी बजाने, हंसाने, रुलाने और खुद को बड़ा महसूस कराने के साथ, उसी स्वैग और ग्रेस के साथ यह सब करना, यह प्योर मेजिक है।'उन्होंने आगे लिखा, 'आपका धुरंधर 2 को मस्ट वॉच कहना, मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सुपरस्टार मोमेंट जैसा लगता है। यह उसी शख्स का आशीर्वाद लगता है, जिसने हम सभी को बड़े सपने देखना सिखाया। शब्दों से परे आभारी हूं, सर। यह सीधे दिल को छू गया। जय हिंद।' रजनीकांत से पहले कई साउथ एक्टर्स ने भी फिल्म की तारीफ की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म को लेकर एक्टर महेश बाबू ने लिखा था-'धुरंधरः द रिवेंज एकदम शानदार तरीके से बनाई गई धमाकेदार फिल्म है! रणवीर का अब तक का सबसे शानदार रूप देखने को मिला है। आदित्य धर ने इसे जिस तरह से सोचा और पेश किया है, वह वाकई काबिल-ए-तारीफ है। आर माधवन की एक्टिंग और शाश्वत सचदेव का म्यूजिक खास तौर पर शानदार है। यह फिल्म देखने और जश्न मनाने लायक है। पूरी टीम को बधाई।' अल्लू अर्जुन ने भी फिल्म धुरंधर 2 देखने के बाद इसकी तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि यह हर भारतीय को गर्व महसूस कराएगी। उन्होंने रणवीर सिंह और आर माधवन समेत फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की परफॉर्मेंस की भी सराहना की।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।